04 - बेहतर कल के लिए राजनीतिक पहल

05 - लोकसभा चुनाव में महुआ काल

A Daily News Magazine
इंदौर
शुक्रवार, 12 अप्रैल, 2024

06- जिला जेल में मुस्लिम बंदियों ने ईद की नमाज अदा की

07- 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ के द्वितीय दिवस, अनुष्ठान से पूर्व...

सुबह सवेरे
इंदौर एवं भोपाल से एक साथ प्रकाशित
वर्ष 9 अंक 179 , नगर संस्करण, पृष्ठ 8, मूल्य रू. 2 (डाक पंजीयन संख्याः MP/IDC/1529/2016-2018)

subahsaverenews@gmail.com
facebook.com/subahsaverenews
www.subahsavere.news
twitter.com/subahsaverenews

प्रसंगवश

राजस्थान : भाजपा की मुश्किलें बढ़ा रहा जाटों का 'आपरेशन गंगा जल '

राजन महान

भारतीय राजनीति में आरक्षण आंदोलन हमेशा से सबसे विवादास्पद मुद्दों में से एक रहा है। अनिवार्य रूप से, आरक्षण के दावों को लेकर होने वाले आंदोलन अक्सर चुनावी नतीजों को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जैसे-जैसे लोकसभा चुनाव नजदीक आ रहे हैं, भरतपुर और धौलपुर जिलों में जाट समुदाय द्वारा अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी आरक्षण की मांग पूर्वी राजस्थान के चुनावी समीकरण में एक शक्तिशाली फैक्टर के रूप में उभरी है।

भरतपुर और धौलपुर के जाट केंद्रीय ओबीसी सूची में खुद को शामिल करने को लेकर दबाव बनाने के लिए जनवरी से विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। लेकिन केंद्र और राज्य में भारतीय जनता पार्टी की 'डबल इंजन सरकार' वादे के बावजूद कोई सकारात्मक कदम नहीं उठा रही है। जिससे जाट अब खुद को ठगा हुआ महसूस कर रहे हैं।

राजस्थान में चुनाव बमुश्किल एक पखवाड़े दूर है। सभी पार्टियां अपने जातिगत गणित को दुरुस्त कर रही हैं-और इन गणनाओं में जाट प्रमुखता से शामिल हैं। लेकिन समुदाय के एक बड़े हिस्से द्वारा गंगा जल की शपथ लेकर बीजेपी का विरोध करने से पूर्वी राजस्थान में भगवा ब्रिगेड का काम कठिन हो गया है।

हाल के समय में, जाटों ने पूर्वी राजस्थान के गांवों में बीजेपी के खिलाफ 'ऑपरेशन गंगाजल' शुरू किया है, जिसमें तीन महत्वपूर्ण लोकसभा सीटें-भरतपुर, करौली-धौलपुर और अलवर शामिल हैं। इस अभियान के तहत, जाट नेता गांवों में विशेष बैठकें कर रहे हैं, जहां वो लोगों से गंगा जल की शपथ लेकर बीजेपी को वोट नहीं देने की अपील कर रहे हैं।

भरतपुर और धौलपुर के जाटों के लिए ओबीसी आरक्षण की मांग लंबे समय से लंबित है। भले ही जाटों को 1999 में ओबीसी का दर्जा मिल गया था, लेकिन इन दोनों जिलों में समुदाय को यह तर्क देकर कोटा लाभ से वंचित कर दिया गया कि वो इन क्षेत्रों में बहुत पहले शासक थे और इसलिए उन्हें इसका फायदा नहीं मिल सकता।

भरतपुर शहर की स्थापना 17वीं सदी के जाट शासक महाराजा सूरजमल ने की थी और उनके उत्तराधिकारियों ने 1947 तक इस क्षेत्र पर शासन किया। इसी तरह, धौलपुर साम्राज्य की स्थापना 18वीं शताब्दी में जाट शासकों द्वारा की गई थी और राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, धौलपुर के पूर्व शाही परिवार की सदस्य हैं। ओबीसी आरक्षण के इस इनकार को देखते हुए, भरतपुर और धौलपुर के बड़े पैमाने पर कृषि प्रधान जाट समुदाय ने अक्सर ओबीसी श्रेणी में शामिल किए जाने के लिए आंदोलन किया है। उनका तर्क है कि उनके सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन को देखते हुए, उन्हें ओबीसी कोटा से वंचित करना बहुत बड़ा अन्याय है। हालांकि राज्य स्तर पर ओबीसी आरक्षण जल्द ही मिल गया, लेकिन दोनों जिलों के जाटों को केंद्रीय स्तर पर इससे बाहर रखा गया। 2013 में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली यूपीए सरकार ने भरतपुर और धौलपुर में जाटों को केंद्रीय स्तर पर ओबीसी आरक्षण दिया था।

हालांकि, उनकी खुशी ज्यादा दिनों तक नहीं टिक पाई और साल 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने जाटों को केंद्रीय ओबीसी सूची से हटाने का फैसला किया। हालांकि पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 2021 में केंद्र सरकार को पत्र लिखकर दोनों जिलों में जाटों के लिए ओबीसी कोटा की मांग की थी, लेकिन केंद्र की बीजेपी सरकार यह महत्वपूर्ण आरक्षण प्रदान करने में विफल रही है।

पिछले दिसंबर में राजस्थान में बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद, जाट अपनी मांगों को लेकर जनवरी में भरतपुर के एक गांव में अनिश्चितकालीन धरने पर बैठ गए। कुछ हफ्तों के बाद नए मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा, जो कि भरतपुर से हैं, उनके द्वारा सकारात्मक कार्रवाई के आश्वासन के बाद जाटों ने धरना खत्म किया। एक विशेष समिति का गठन किया गया था और जाट नेताओं ने केंद्रीय मंत्रियों के साथ भी चर्चा की थी, लेकिन अभी तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। इस क्षेत्र के नाराज जाट अब बीजेपी पर धोखा देने का आरोप लगा रहे हैं।

चूंकि लोकसभा चुनाव के लिए आदर्श आचार संहिता लागू होने से पहले जाटों को आरक्षण नहीं मिला, इसलिए भरतपुर-धौलपुर जाट आरक्षण संघर्ष समिति ने मार्च के मध्य में एक विशेष बैठक की, जिसमें पूर्वी राजस्थान के पंच पटेलों की भारी भागीदारी देखने को मिली। सभा ने आगामी चुनावों में बीजेपी को हराने के लिए 'ऑपरेशन गंगाजल' शुरू करने का निर्णय लिया।

भगवा ब्रिगेड पर जाटों को धोखा देने का आरोप लगाते हुए, भरतपुर की सभी आठ विधानसभा सीटों के प्रतिनिधियों के साथ-साथ अन्य जातियों के नेताओं ने इस बैठक में न केवल भरतपुर बल्कि करौली-धौलपुर और अलवर लोकसभा सीटों पर बीजेपी को कमजोर करने के लिए अपने अभियान का विस्तार करने का निर्णय लिया। 'ऑपरेशन गंगाजल' को तेज करने के लिए, जाटों ने 300 से अधिक समर्पित सदस्यों की एक शीर्ष समिति बनाई है और सभी पंचायत मुख्यालयों पर 11 सदस्यीय समितियां स्थापित की हैं। ये समितियां बीजेपी के खिलाफ गांवों में प्रचार कर रही हैं।

जाट आरक्षण संघर्ष समिति के सदस्य अनगिनत गांवों/घरों का दौरा करते हैं। वो लोगों से ओबीसी कोटा पर भरतपुर-धौलपुर के जाटों को धोखा देने के लिए बीजेपी को वोट न देने के लिए कह रहे हैं।

जैसे-जैसे 'ऑपरेशन गंगाजल' गति पकड़ रहा है, यह राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल के लिए एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है। चूंकि भरतपुर भजनलाल का गृह क्षेत्र है, ऐसे में इसका बहुत बड़ा राजनीतिक महत्व है। मुख्यमंत्री अपने गृह क्षेत्र में हार का जोखिम नहीं उठा सकते, जहां पिछले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस का सूपड़ा साफ हो गया था। हालांकि, 2008 के परिसीमन के बाद से भरतपुर एक एससी सीट है। परंपरागत रूप से जाट बहुल इस क्षेत्र में समुदाय बड़ा वोट बैंक है जो सीधे तौर पर नतीजों को प्रभावित करता है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि कांग्रेस उम्मीदवार संजना जाटव ने जाटों का समर्थन किया है। पार्टी को उम्मीद है कि प्रतिष्ठा की लड़ाई बनी भरतपुर सीट पर बीजेपी मात देगी।

भरतपुर के अलावा, 'ऑपरेशन गंगाजल' का असर करौली-धौलपुर सीट पर भी पड़ सकता है, जहां जाट मतदाताओं की बड़ी संख्या है। यह आंदोलन अलवर की चुनावी लड़ाई पर भी बड़ा असर डाल सकता है, जहां बीजेपी की ओर से केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव कांग्रेस के ललित यादव के खिलाफ अपना पहला लोकसभा चुनाव लड़ रहे हैं। जैसे ही जाटों ने भरतपुर की सीमा से लगे गांवों में इस अभियान को तेज किया, वैसे ही भूपेन्द्र यादव की चुनौतियां बढ़ गई हैं।

(क्विंट हिंदी में प्रकाशित लेख के संपादित अंश)

ईद के जश्न में डूबा देश, नमाजियों पर बरसे फूल

● यूपी के प्रयागराज में नमाजियों पर लोगों ने की फूल की बारिश ● एमपी में मौलाना बोले-गाय-बैल के कारोबार से दूर रहें मुस्लिम

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/पटना (एजेंसी)। देशभर में गुरुवार को ईद-उल-फितर का त्योहार धूमधाम से मनाया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, समेत कई दिग्गज नेताओं और हस्तियों ने सोशल मीडिया के जरिए ईद की मुबारकबाद दी। प्रयागराज में नमाज पढ़ने पहुंचे नमाजियों पर फूल बरसाए गए। आगरा के ताजमहल में भी हजारों नमाजियों ने ईद की नमाज पढ़ी। सिलिगुड़ी में स्टेडियम में ईद की नमाज पढ़ी गई। भोपाल में ताजुल मसाजिद में सबसे पहले नमाज पढ़ी गई। इस दौरान मुफ्ती अब्दुल कलाम ने मुसलमानों से गाय-बैल के कारोबार से दूर रहने की सलाह दी। भोपाल में सबसे पहले ईदगाह में सुबह 7.15 बजे ईद की नमाज अदा हुई। यहां शहर काजी सैयद मुश्ताक अली नदवी नमाज अदा कराई। राजधानी भोपाल में ताजुल मसाजिद में ईद की नमाज के बाद हुई तकरीर (प्रवचन) में मुफ्ती अब्दुल कलाम ने मुसलमानों से गाय-बैल के कारोबार से बचने की सलाह दी। उन्होंने सोशल मीडिया पर बनाई जा रही मुसलमानों की छवि पर भी चिंता व्यक्त की। यूपी में गुरुवार को ईद मनाई जा रही है। लखनऊ में ऐशबाग ईदगाह पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक और कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय पहुंचे। लोगों को ईद की बधाई दी। यूपी में करीब 29 हजार 439 मस्जिदों और 3865 ईदगाहों में ईद-उल-फितर की नमाज पढ़ी गई। कानपुर की बड़ी ईदगाह में पहली शिफ्ट में दो लाख लोगों ने नमाज अदा की।

सुप्रभात

पर्ण कुटीर की छांव तले
मनमीत कैसे मिले

गांव,गली, अंगना में
छल छद्म की बोली
तम की लीपा पोती
ये मनचलों की टोली

रक्ष कुल के निशाचरी
अक्सर आते दिन ढले

निज हंता ये आक्रन्ता
सूरत इनकी भोली
कुटिल हँसी धरा धंसी
तार तार हुई चोली

दीयाठानी की बाती
बताओ तुम कैसे जले

झुलस उठा ये अंतर्मन
कुम्हलाया ये जीवन भी
सिली लकड़ी धुंधुआती
जला न पाती अगन भी

हो कोई तो ऐसा जो
ये आतप मन हर ले।

– अरुण सातले

अत्याचार सहने वाली कौम का वजूद भी नहीं बचता

अलीगढ़ के बाद लुधियाना में ईद पर फिलिस्तीन के लिए प्रदर्शन

STOP WAR
FREE PALESTINE
STOP WAR
SAVE GAZA

लुधियाना (एजेंसी)। पंजाब के लुधियाना में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने ईद की नमाज पर फिलिस्तीन के लिए भी दुआ की। यही नहीं इस मौके पर बड़ी संख्या में लोग फिलिस्तीन के झंडे भी लेकर आए और लहराते दिखे। लुधियाना के फील्डगंज स्थित जामा मस्जिद का एक पुराना इतिहास रहा है और स्वतंत्रता संग्राम से भी इसका ताल्लुक रहा है। बीते साल भी यहां से करीब 2 लाख लोगों की परेड फिलिस्तीन के समर्थन में निकाली गई थी। ईद की नमाज के बाद बड़ी संख्या में मुस्लिम समुदाय के लोगों ने सड़कों पर उतरकर इजरायल के खिलाफ प्रदर्शन किया। इनके हाथों में इजरायल के खिलाफ लिखे नारों वाले पोस्टर भी थे। ईद की नमाज के बाद लोगों को संबोधित करते हुए पंजाब के शाही इमाम मौलाना उस्मान रहमानी लुधियानवी ने कहा कि हम इस मौके पर उन लोगों को नहीं भूल सकते, जिन्हें इजरायली हमलों में जान गंवानी पड़ी। उन्होंने कहा कि फिलिस्तीन में इजरायल की ज्यादतियों को भुलाया नहीं जा सकता। इजरायल का हर कदम अमानवीय और अवैध है लेकिन यह हमारी जिम्मेदारी है कि आवाज उठाएं और एकजुटता दिखाई जाए।

मोदी बोले-कांग्रेस का इतिहास ही नहीं, इरादे भी खतरनाक

मंदिर गिराकर जमीनों पर कब्जा किया, रामनवमी की शोभायात्रा पर पत्थर बरसाए

विजय संकल्प रैली
भारतीय जनता पार्टी, उत्तराखण्ड

करौली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास ही नहीं, इरादे भी खतरनाक है। कांग्रेसी नेताओं ने तुष्टीकरण और भ्रष्टाचार के लिए मंदिरों को गिराकर उनकी जमीनों पर कब्जे किए। यहां रामनवमी की शोभायात्रा पर पत्थर बरसाए जाते थे। कल कांग्रेस के बड़े नेता ने कहा है, कच्चाथीवू टापू है। क्या वहां कोई रहता है क्या। फिर ये रेगिस्तान को क्या कहेंगे, कोई रहता है। कल ये कांग्रेसी राजस्थान जैसे सीमावर्ती राज्य की खाली जमीन ये ही कहकर किसी भी देश को दे सकते हैं। पीएम ने गुरुवार को यहां करौली-कैलादेवी मार्ग स्थित सिद्धार्थ सिटी में विजय शंखनाद रैली को संबोधित किया। पीएम बोले- जिस राजस्थान के धौलपुर ने अयोध्या में 500 साल के इंतजार के बाद बने भव्य राममंदिर के लिए पत्थर भेजे, उसी राम मंदिर पर कांग्रेस पार्टी के नेता कैसी-कैसी भाषा बोल रहे हैं। इन लोगों ने राम मंदिर की प्रतिष्ठा का बहिष्कार तक किया। मोदी ने कहा- विकसित भारत का संकल्प पूरा करने के लिए मेरा पल-पल आपके नाम है, हर पल देश नाम है। इसलिए कहता हूं, 24×7 फोर 2047। उन्होंने कहा- करौली बता रहा 4 जून 400 पार। राजस्थान कह रहा फिर मोदी सरकार। राजस्थान के हर घर पानी पहुंचेगा, यह मोदी की गारंटी है। कांग्रेस युवाओं की सरकारी नौकरी में लूट के मौके तलाशती है। पेपर लीक की फैक्ट्री तैयार कर दी थी। पीएम बोले- कांग्रेस के नेता समझ रहे हैं, राजस्थान का कश्मीर से क्या वास्ता है। राजस्थान के बलिदानी वीर शहीदों के घर जाकर पूछो, उनके गांव की मिट्टी बताएगी, राजस्थान का कश्मीर से क्या वास्ता है।

दिल्ली शराब घोटाले में बढ़ी के. कविता की मुसीबत

अब सीबीआई ने किया गिरफ्तार, तिहाड़ में थीं बीआरएस नेता

नई दिल्ली/हैदराबाद (एजेंसी)। दिल्ली शराब नीति केस में बीआरअस की नेता के कविता मुसीबतें थमने का नाम नहीं रही हैं। अब सीबीआई ने दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में उनको गिरफ्तार किया है। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री के.चंद्रशेखर राव की बेटी कविता प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए जाने के बाद से तिहाड़ जेल में हैं। सीबीआई ने उन्हें वहीं गिरफ्तार किया है। सीबीआई के अधिकारियों ने हाल में एक विशेष अदालत से अनुमति लेने के बाद जेल के अंदर कविता से पूछताछ की थी। बीआरएस नेता से सह–आरोपी बुच्ची बाबू के फोन से बरामद व्हाट्सऐप चैट और एक भूमि सौदे से संबंधित दस्तावेजों के बारे में पूछताछ की गई थी। आम आदमी पार्टी (आप) को कथित तौर पर आबकारी नीति में बदलाव के लिए रिश्वत के रूप में 100 करोड़ रुपये दिए गए थे। सूत्रों ने बताया कि इन पहलुओं पर कविता से पूछताछ के लिए सीबीआई अधिकारी शनिवार को तिहाड़ जेल गए थे। बता दें कि ईडी ने इस मामले में के कविता को 15 मार्च को हैदराबाद से हिरासत में लिया था। उन्हें अगले दिन दिल्ली के राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश किया।

प्रदेश के किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं आएगी, ये मोदीजी की गारंटी है

सीधी के नर्मदा परिक्रमा पथ को बेहतर बनाया जाएगा, अन्न क्षेत्र भी बनाया जाएगा : मुख्यमंत्री

मंडला/शहडोल/सीधी। देश के साथ-साथ प्रदेश का भी निरंतर विकास हो रहा है। देश के साथ ही प्रदेश में भी खुशहाली आए, यहां का हर नागरिक खुशहाल रहे, इसकी गारंटी हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी दे रहे हैं। प्रदेश के किसी भी व्यक्ति को परेशानी नहीं आएगी और ये मोदीजी की गारंटी है, जिसको प्रदेश की भाजपा सरकार हर हाल में पूरा करेगी। कांग्रेस के लोग इतनी मोटी चमड़े के हो गए हैं कि अयोध्या में वे भगवान श्रीराम के प्रमाण पूछते हैं। उन्हें ये नहीं पता कि भगवान श्रीराम का जन्म वहीं हुआ था और वे अयोध्या के राजा थे। कांग्रेस के लोग भारतीय संस्कृति, सनातन संस्कृति को लज्जित करने का काम कर रहे हैं। हम हमारे देवी-देवताओं का अपमान किसी भी हाल में सहन नहीं करेंगे। ये बातें मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कही। वे मंडला में लोकसभा प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते एवं ब्यौहारी व चुरहट में सीधी लोकसभा प्रत्याशी डॉ. राजेश मिश्रा के समर्थन में आयोजित जनसभाओं को संबोधित कर रहे थे।

मोटी चमड़ी के हो गए हैं कांग्रेस के लोग

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के लोग मोटी चमड़ी के हो गए हैं। कितने गुर्भाग्य के साथ कहना पड़ता है कि ये कांग्रेस के नेता भगवान श्रीराम के प्रमाण पूछते हैं। अरे अयोध्या में श्रीराम पैदा हुए थे, हमको तो पता है कि हुए थे, लेकिन अब कांग्रेसियों को ही नहीं पता है तो इसमें कौन क्या करें। कांग्रेसियों ने अयोध्या में सरजू के किनारे बनने वाले श्रीराम मंदिर को लेकर अड़ंगे लगाए। कांग्रेस के लोग सुप्रीम कोर्ट का फैसला तक मानने को तैयार नहीं हुए। सुप्रीम कोर्ट ने तीन तलाक वाले मामले में भी फैसला सुनाया था और इस तीन तलाक को गलत माना था। कई मुस्लिम देशों ने भी तीन तलाक को गलत बताया था। उस समय राजीव गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस की 415 सांसदों वाली बहुमत की सरकार थी, लेकिन ये कांग्रेसी तीन तलाक वाले मामले में कुछ नहीं कर सके।

किसानों को दिया जाएगा उनका अधिकार

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि सीमा पर डटे जवान और खेतों में काम करने वाले किसानों को यदि किसी ने समझा है तो वह प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने समझा है। वे दीपावली पर सीमा पर जाकर जवानों के साथ पटाखे जलाते हैं और किसानों को भी उनका सम्मान दिलाते हैं। किसानों के लिए हमने कहा कि गेहूं का समर्थन मूल्य 2700 देंगे। इस वर्ष 125 रूपए बोनस दिया है और यह बोनस अगले वर्ष भी दिया जाएगा। अगले पांच वर्षों में तीन हजार प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य कर दिया जाएगा। धान भी खरीदेंगे और किसानों को बोनस भी देंगे।

भोपाल का तापमान

अधिकतम 40 °c

न्यूनतम 29°c

सुबह सवेरे

इंदौर ■ शुक्रवार, 12 अप्रैल 2024

> जो अग्नि हमें गर्मी देती है , हमें नष्ट भी कर सकती है ; यह अग्नि का दोष नहीं है।
>
> चाणक्य नीति

संक्षिप्त समाचार

चतुर्थ

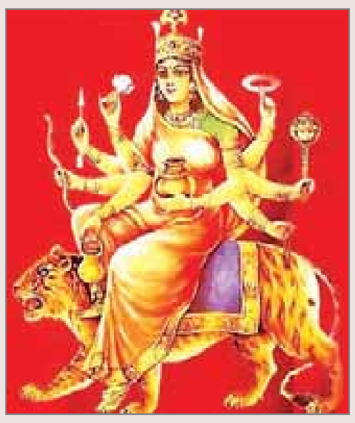

कूष्माण्डा

देवी मां के चतुर्थ रूप का नाम है, देवी कूष्माण्डा। कूष्माण्डा का संस्कृत में अर्थ होता है लौकी,कद्दू। अब अगर आप किसी को मज़ाक में लौकी, कद्दू पुकारेंगे तो वह बुरा मान जाएंगे और आपके प्रति क्रोधित होंगे। कू' का अर्थ है छोटा, 'ष ' का अर्थ है ऊर्जा और 'अंडा' का अर्थ है ब्रह्मांडीय गोला सृष्टि या ऊर्जा का छोटे से वृहद ब्रह्मांडीय गोला। सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में ऊर्जा का संचार छोटे से बड़े में होता है। यह बड़े से छोटा होता है और छोटे से बड़ा; यह बीज से बढ़ कर फल बनता है और फिर फल से दोबारा बीज हो जाता है।

फर्राटे भरता भारत हैरत में पड़ी दुनिया

- पीएम मोदी तो छोड़िए,अब दुनिया भी देने लगी है तरक्की की 'गारंटी'

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक विदेशी मीडिया को दिए हालिया साक्षात्कार में फिर कहा कि उनके तीसरे कार्यकाल में भारत दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। वो अपने चुनावी रैलियों में भी कहते हैं कि 2024 से 2029 के अगली बार सरकार बनेगी तो भारत सबसे बड़ी जीडीपी वाली लिस्ट में तीसरे पायदान पर पहुंच जाएगा, यह मोदी की गारंटी है। अभी भारत की इकॉनमी दुनिया में पांचवें स्थान पर है जो मोदी के पहली बार प्रधानमंत्री बनने के वक्त वर्ष 2014 में 11वें स्थान पर थी। यानी, बीते 10 वर्षों में भारत अर्थव्यवस्था की रेस में पांच अंक ऊपर चढ़ा है। अर्थव्यस्था की इस तेज रफ्तार ने दुनिया में भारत की हैसियत बढ़ा दी है। कल तक अपनी ताकत का धौंस जमाकर भारत को महत्व देने के लायक नहीं समझने वाले पश्चिमी देशों की आंखें भी यह रफ्तार देखकर फटी की फटी रह जा रही हैं। आलम यह है कि देश हो या सरकार या फिर कोई संस्था, विदेशों से एक से बढ़कर एक तारीफें सुनने को मिल रही हैं। सबसे पहले बात कर लेते हैं दुनिया की पंचायत यानी संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की। संयुक्त राष्ट्र महासभा के अध्यक्ष डेनिस फ्रांसिस ने भारत के डिजिटलीकरण कार्यक्रम को देखकर पूरी तरह भौंचक रह गए। उन्हें यकीन करना मुश्किल हो गया कि आखिर डिजिटल इंडिया अभियान किस कदर आम भारतीयों की जिंदगी को इतना आसान बना रहा है जिसकी आसानी से कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने डिजिटल प्रोग्राम की सराहना करते हुए कहा कि इससे भारत को वित्तीय समावेशन और गरीबी कम करने में बहुत मदद मिली है। उन्होंने कहा कि भारत की इस उपलब्धि का फायदा दुनिया को उठाना चाहिए।

भारत के बाहर भी काम करती है 'मोदी की गारंटी'

एस जयशंकर ने इजरायल-यूक्रेन का नाम लेकर समझाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र 'मोदी की गारंटी' को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी केवल भारत ही नहीं बल्कि बाहर भी काम करती है। जयशंकर ने कहा कि मोदी की गारंटी भारत की सीमाओं से परे तक फैली हुई है। राजस्थान के बीकानेर में मीडिया से बात करते हुए विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने कहा कि हर कोई जानता है कि इस चुनाव में देश पीएम मोदी की गारंटी पर अपना विश्वास दिखाएगा। अगर आप योजनाओं पर नजर डालें तो पीएम मोदी की गारंटी ने पिछले 10 वर्षों में विभिन्न क्षेत्रों में नीतियों का एक रिकॉर्ड बनाया है। इस दौरान जयशंकर ने इजरायल और यूक्रेन जैसे देशों का जिक्र किया जहां से बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित निकाला गया। उन्होंने कहा कि चाहे कुछ भी हो भारत सरकार अपने नागरिकों को सुरक्षित निकालने के लिए हमेशा तैयार रहती है।

'पाकिस्तान अगर आतंकवाद नहीं रोक पा रहा तो हम मदद को तैयार'

राजनाथ का पड़ोसी देश को प्रस्ताव, कहा-आतंकियों को मारने भारत संकोच नहीं करेगा

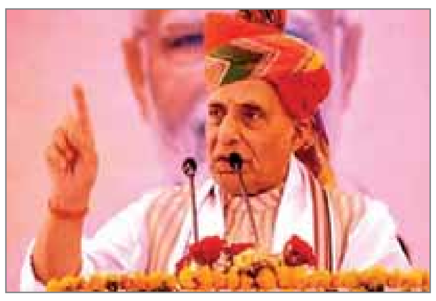

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह पाकिस्तान और चीन को लेकर लगातार हमलावर हैं। एजेंसी को दिए गए एक इंटरव्यू में राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान में आतंकवाद को खत्म करने के लिए मदद की पेशकश की है। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान आंतकवाद पर काबू नहीं कर पा रहा है तो हम आतंकवाद पर लगाम लगाने के लिए मदद देने को तैयार हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि पाकिस्तान से मेरी यही अपेक्षा है कि अगर वह आंतकवाद का सहार लेकर भारत की स्थिति को खराब करने की कोशिश करेगा तो इसका परिणाम उसको भुगतना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि अगर पाकिस्तान को लगता है कि वह आंतकवाद पर काबू नहीं कर सकता है तो फिर पड़ोसी देशों से मदद ले सकता है। आतंकवाद पर काबू पाने के लिए भारत उनकी मदद करने को तैयार है। चीन के रुख पर बोलते हुए रक्षा मंत्री ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की बात दोहराई कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं। भारतीय क्षेत्र पर मोदी सरकार के रुख पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय जमीन का एक इंच भी नहीं गया है और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ऐसा कभी नहीं होने देगी। वहीं, पीओके पर जवाब देते हुए राजनाथ सिंह ने कहा कि पीओके हमारा था, हमारा है और हमारा ही रहेगा। अगर भारत अस्थिर होगा तो पाक को परिणाम भुगतने होंगे।

कहीं ओले-बारिश तो कहीं भीषण गर्मी का जल 'जला'

- मौसम का 'खेला' जारी, एमपी में कई जगह गिरे ओले
- 8 राज्यों में बारिश के आसार, जम्मू-हिमाचल में स्नो फॉल
- राजस्थान-यूपी और गुजरात में तापमान 40 डिग्री के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूरे देश में वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के ऐक्टिव होने से कई राज्यों में गर्मी के मौसम में बारिश और ओले देखने को मिल रहे हैं। मौसम विभाग के मुताबिक, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में आज से 3 दिनों तक बारिश का दौर जारी रहेगा। यहां 13 अप्रैल तक ओले गिरने का भी अलर्ट है। बुधवार को भी एमपी के 10 जिलों में ओले गिरे हैं। राजस्थान के 14 जिलों में बारिश का अलर्ट है। इसके अलावा पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, बिहार और अंडमान एंड निकोबार में भी बरसात का दौर देखने को मिल रहा है। उधर, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल के कुछ इलाकों में भी 13 अप्रैल के बाद बर्फबारी की संभावना है। एक तरफ जहां देश में बारिश के दौर से तापमान में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं, कुछ इलाके ऐसे भी है जहां तेज गर्मी का असर देखने को मिल रहा है। मौसम विभाग ने बताया कि पश्चिमी राजस्थान, गुजरात और उत्तर प्रदेश के कुछ जिलों में तापमान 40 से 43 डिग्री के बीच रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने बताया कि पूरे देश में मौसम में बदलाव की वजह ईरान, पाकिस्तान होकर उत्तर भारत पहुंचने वाली लहरें यानी वेस्टर्न डिस्टर्बेंस है। इस कारण फरवरी, मार्च और अब अप्रैल में भी मौसम लगातार बदल रहा है। प्रोफेसर डॉ. पंकज कुमार के मुताबिक, 1980 से 2023 तक डब्ल्यूडी 43 फीसदी तक बढ़ गए हैं।

हरियाणा के महेंद्रगढ़ में भीषण सड़क हादसा

स्कूल बस पलटी, 6 बच्चों की हुई मौत, कई घायल

महेंद्रगढ़ (एजेंसी)। हरियाणा के महेंद्रगढ़ जिले में गुरुवार सुबह एक भीषण सड़क हादसा हो गया। हादसा महेंद्रगढ़ के उन्हानी गांव में हुआ, जहां बच्चों को स्कूल ले जा रही पलट गई। इस हादसे में 6 बच्चों की मौत की खबर सामने आ रही है। वहीं कई बच्चे घायल बताए जा रहे है। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बच्चों को अस्पताल पहुंचाया। पुलिस ने क्रेन की मदद से बस को सीधा करवाया। हादसे कैसे हुआ उसकी जांच की जा रही है। बताया जा रहा है कि हादसे के समय बस में 40 बच्चे सवार थे। जानकारी के अनुसार, ईद की सरकारी छुट्टी के बावजूद महेंद्रगढ़ के जीएल पब्लिक स्कूल आज खुला था। बच्चे स्कूल बस में सवार होकर स्कूल जा रहे थे। जैसे ही बस उन्हानी गांव पहुंची तो पलट गई। इस हादसे में कई बच्चे घायल हो गए। घायल बच्चों को अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां 6 बच्चों की मौत की खबर है। हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस , प्रशासन और बच्चों के माता पिता भी घटना स्थल पर पहुंचे । फिलहाल घायल बच्चों का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस का कहना है कि उपचार प्राथमिकता है और उसके बाद पूरे मामले की जांच की जाएगी। इस हादसे का एक वीडियो भी सामने आया है।

सिंधी पंचायत द्वारा झूलेलाल जयंती धूमधाम से मनायी गयी

धार। 25 वर्षों से सिंधी पंचायत द्वारा मनाये जा रहे झूलेलाल जयंती पर्व इस बार भी धूमधाम से मनायी गई। बुधवार को भगवान झूलेलाल जी का जन्मोत्सव चेटीचंड बड़े ही हर्ष और उल्लास के साथ धार नगर सिंधी पंचायत द्वारा सिंधी धर्मशाला में मनाया गया। सुबह लाल साई की पूजा अर्चना के साथ सिंधी गुरुद्वारे का आकर्षक श्रृंगार किया गया शाम 4 बजे गोविंद लंगर (ग़रीबों को भोजन) कराया गया। संध्याकाल में भगवान लाल साँई झूलेलाल जी का बहराना साहिब हर्षोल्लास के साथ निकाला गया जो धर्मशाला से अंबामाता मंदिर तक ले जाया गया। रात्रि में समाजजनो का सामूहिक प्रीतिभोज का आयोजन भी सिंधी पंचायत द्वारा किया गया। समाज के सदस्यों ने बड़े उत्साह से भाग लेकर इष्ट देव लाल साईं का जन्मोत्सव मनाया। मुख्य रूप से घनश्याम दास आहूजा, जयरमदास आहूजा, घनश्याम आर. आहूजा, नारायण मलानी, जितेंद्र आहूजा, प्रेम आहूजा, रॉकी आहूजा, गोपाल खत्री, कमल खत्री आदि युवा कार्यकारिणी के सदस्य गण उपस्थित रहे। जानकारी समाज के सदस्य जितेन्द्र आहूजा ने दी।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

धार। भारतीय जनता पार्टी पिछड़ा वर्ग मोर्चा प्रदेश संगठन के निर्देश पर पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने गुरुवार को भाजपा जिला कार्यालय में महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती मनाई गई। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं ने महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हे पुष्पांजलि अर्पित कर याद किया। इस अवसर पर पूर्व जिला महामंत्री श्याम नायक,भाजपा नगर मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर,पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री अनिल गेहलोद, पिछड़ा मोर्चा मंडल अध्यक्ष मुन्ना लाल राठौड़ ने विचार व्यक्त किए।

भाजपा मंडल अध्यक्ष विपिन राठौर ने कहा कि देश से छुआछूत खत्म करने और समाज को सशक्त बनाने में अहम किरदार निभाने वाले महात्मा ज्योतिबा फुले का जन्म 11 अप्रैल 1827 को पुणे में हुआ था। उनकी माता का नाम चिमणाबाई तथा पिता का नाम गोविंदराव था। उनका परिवार कई पीढ़ी पहले माली का काम करता था। वे सातारा से पुणे फूल लाकर फूलों के गजरे आदि बनाने का काम करते थे इसलिए उनकी पीढ़ी 'फुले' के नाम से जानी जाती थी।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा जिला महामंत्री अनिल गेहलोद ने कहा कि ज्योतिबा फुले जी बहुत बुद्धिमान थे। उन्होंने मराठी में अध्ययन किया। वे महान क्रांतिकारी, भारतीय विचारक, समाजसेवी, लेखक एवं दार्शनिक थे। 1840 में ज्योतिबा का विवाह सावित्रीबाई से हुआ था। महाराष्ट्र में धार्मिक सुधार आंदोलन जोरों पर था। जाति-प्रथा का विरोध करने और एकेश्वरवाद को अमल में लाने के लिए 'प्रार्थना समाज' की स्थापना की गई थी जिसके प्रमुख गोविंद रानाडे और आरजी भंडारकर थे। उस समय महाराष्ट्र में जाति-प्रथा बड़े ही वीभत्स रूप में फैली हुई थी।

स्त्रियों की शिक्षा को लेकर लोग उदासीन थे, ऐसे में ज्योतिबा फुले ने समाज को इन कुरीतियों से मुक्त करने के लिए बड़े पैमाने पर आंदोलन चलाए। उन्होंने महाराष्ट्र में सर्वप्रथम महिला शिक्षा तथा अछूतोद्धार का काम आरंभ किया था। उन्होंने पुणे में लड़कियों के लिए भारत का पहला विद्यालय खोला। लड़कियों और दलितों के लिए पहली पाठशाला खोलने का श्रेय ज्योतिबा को दिया जाता है।

कार्यक्रम में भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा,युवा मोर्चा जिला महामंत्री अंकित भावसार,मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश तुलसीराम बोडने,राजेश हारोड़, सोनिया राठौर, बादल मालवीय,मनोहर लोहार,निलेश राठौर,लखन शर्मा,श्रवण गोयल,विष्णु राठौर, शैलेष बिजावा,राजू डोड,बदल जैन सहित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे। आभार मोर्चा मंडल अध्यक्ष महेश तुलसीराम बोड़ने ने माना।

केजरीवाल के पीए बिभव कुमार की सेवाएं समाप्त

- 2007 के केस में दिल्ली विजिलेंस टीम ने लिया ऐक्शन
- सेंट्रल अथॉरिटी ट्रिब्यूनल में टर्मिनेशन को चुनौती देगी एएपी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली सीएम अरविंद केजरीवाल के निजी सचिव बिभव कुमार को दिल्ली विजिलेंस डायरेक्टोरट ने बर्खास्त कर दिया है। विशेष सचिव सतर्कता वाईवीवीजे राजशेखर ने 10 अप्रैल को पारित एक आदेश में बिभव कुमार के खिलाफ लंबित 2007 के मामले का हवाला दिया, जिसमें उन पर सरकारी काम में बाधा डालने का आरोप था। आदेश में तत्काल प्रभाव से बिभव कुमार की नियुक्ति समाप्त कर दी गई है। हालांकि, आम आदमी पार्टी की लीगल टीम बिभव की बर्खास्तगी के खिलाफ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण में जाने की योजना बना रहे हैं। लीगल टीम इस बात पर मंथन कर रही है कि किस आधार पर उक्त आदेश को चुनौती दी जा सकती है। एएपी की कानूनी टीम के अनुसार, बिभव एजेंसी के सामने जो मुद्दे रखेंगे उसमें इस आदेश का समय और विजिलेंस के आदेश को असंवैधानिक करार देना शामिल होगा।

राहुल गांधी बोले-30 लाख सरकारी नौकरी देंगे, ठेका-प्रथा बंद होगी

मोदी ने 16 लाख करोड़ रुपए अरबपतियों को दिए,उतना हम गरीब-पिछड़ों को देंगे

अनूपगढ (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने राजस्थान के अनूपगढ़ में चुनावी सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान की 200 सबसे बड़ी कंपनियों के मालिक और सीनियर मैनेजमेंट में पिछड़े वर्ग के लोग नहीं हैं। मोदी ने इन कंपनियों के 16 लाख करोड़ रुपए माफ किए हैं। हिंदुस्तान के 25-30 अमीर लोगों का इतना पैसा माफ कर दिया, जितना 24 साल तक मनरेगा के जरिए मजदूरों को मिलता। राहुल गांधी ने कहा कि जितना पैसा मोदी ने अरबपतियों को दिया है, चुनाव जीतने के बाद हम गरीब, पिछड़ों, आदिवासियों, दलितों को देंगे। लोग कहते हैं कि इससे आदत बिगड़ेगी, लेकिन कोई यह बताए कि जब मोदी अमीरों के पैसे माफ करते हैं तो उनकी आदत नहीं बिगड़ती क्या। मेरे दिमाग में 16 लाख करोड़ का नंबर है, मैं उसे देखकर चल रहा हूं। राहुल गांधी की इस लोकसभा चुनाव में राजस्थान में यह पहली सभा थी। वे जोधपुर लोकसभा सीट पर फलोदी में भी सभा को संबोधित करेंगे। राहुल गांधी ने कहा कि 30 लाख सरकारी पोस्ट को नरेंद्र मोदी ने खाली रखा अपने 20-25 लोगों की मदद करने के लिए। हम 30 लाख सरकारी रोजगार लोगों को देंगे। सरकार और पीएसयू में ठेकेदारी प्रथा बंद होगी। सरकार की संस्थाओं में काम करने वालों को परमानेंट नौकरी दी जाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि हमारी सरकार आएगी तो किसानों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य का कानून लागू करेंगे। अगर नरेंद्र मोदी कर्जा माफ कर सकते हैं तो कांग्रेस फिर से किसानों का कर्जा माफ करके दिखाएगी। राहुल गांधी ने कहा कि सेना गांरटी देती थी कि यदि आप शहीद हुए तो परिवार को मुआवजा मिलेगा, कैंटीन मिलेगी, पेंशन मिलेगी। नरेंद्र मोदी ने अग्निवीर स्कीम लाकर भरोसा तोड़ा है। ये आर्मी ने नहीं कहा कि हमें अग्निवीर चाहिए, ये पीएम ऑफिस से लागू हुई है। जैसे ही सरकार आएगी, अग्निवीर योजना रद्द कर देंगे। पहले जैसी सुविधाएं देंगे।

इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड साक्ष्य में स्वीकार किया जा सकता है

इंदौर, एजेंसी। सामान्य सवाल है कि मोबाइल या अन्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों पर की गई रिकार्डिंग कोर्ट में ग्राह्य होती है या नहीं। इसका जवाब है कि अगर इसकी वैधानिकता को प्रमाणित किया गया है तो यह महत्वपूर्ण साक्ष्य सिद्ध हो सकती है और कई बार पारिवारिक मामलों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। एडवोकेट कृतिका खंडेलवाल ने बताया कि वर्तमान में अनेक कृत्य इलेक्ट्रानिक उपकरणों जैसे कंप्यूटर, मोबाइल, सेल फोन इत्यादि के माध्यम से किए जा रहे हैं। इन गैजेट्स का उपयोग अपराध किए जाने में भी किया जाने लगा है। पूर्व में आपराधिक प्रकरणों में इलेक्ट्रानिक रिकार्ड की साक्ष्य का इतना महत्व नहीं होता था, लेकिन वर्तमान में न्यायालय इलेक्ट्रानिक साक्ष्य को ग्राह्य करता है। अगर साक्ष्य के साथ साक्ष्य अधिनियम की धारा 65 बी के तहत प्रमाण पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया जाता है तो इस साक्ष्य को न्यायालय आरोपित के विरुद्ध अपने निर्णय में शामिल कर सकता है। यह प्रमाण पत्र किसी विशेषज्ञ द्वारा दिया जाता है जो कि इलेक्ट्रानिक उपकरणों को संचालित करने में पूर्ण रूप से प्रशिक्षित हो। कई बार आपराधिक प्रकरण में जिसके द्वारा मोबाइल के माध्यम से घटना की रिकार्डिंग की गई है उसके कथन साक्ष्य के रूप में करवाए जाते हैं। इसे प्राथमिक साक्ष्य के रूप में न्यायालय स्वीकार करता है, लेकिन इलेक्ट्रानिक रिकार्ड को न्यायालय तभी स्वीकार करेगा जब इस आशय का प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया जाए कि इलेक्ट्रानिक उपकरण की जो भी रिकार्डिंग प्रस्तुत की गई है वह मूल रिकार्डिंग है। उसमें कुछ भी जोड़ा या घटाया नहीं गया है। इस बात के प्रमाण पत्र के आधार पर न्यायालय वर्तमान में कई आपराधिक प्रकरणों में आरोपितों को सजा सुना चुका है। कई इलेक्ट्रानिक उपकरण जिनमें कोई घटना रिकार्ड हुई है उन उपकरणों को न्यायालय में प्रस्तुत कर पाना असंभव रहता है इसलिए विधायिका द्वारा धारा 65 बी का प्रविधान किया गया है।

इलेक्ट्रॉनिक रिकॉर्ड के साक्ष्यों का अत्यधिक महत्व– अगर कोई विशेषज्ञ धारा 65 बी का प्रमाण पत्र नहीं देता है या किसी प्रकरण में यह प्रमाण पत्र प्रस्तुत नहीं हुआ है तो सुप्रीम कोर्ट के निर्णयानुसार न्यायालय प्रकरण के विचारण के दौरान भी इलेक्ट्रानिक उपकरणों की जांच कर प्रमाण पत्र देने के लिए निर्देशित कर सकता है। इसका अर्थ हुआ कि पुलिस की जांच में किसी तरह की कमी होने पर न्यायालय स्वयं ऐसी रिकार्डिंग इत्यादि की जांच विशेषज्ञ से करवाकर न्यायालय में उसके कथन कराए जाने के आदेश दे सकता है ताकि फरियादी को न्याय प्राप्त हो सके।

वर्तमान में आपराधिक प्रकरणों में इलेक्ट्रानिक रिकार्ड के साक्ष्यों का अत्यधिक महत्व तो है ही, लेकिन अब तो सिविल प्रकरणों में भी इसका उपयोग किया जाने लगा है। कई बार पक्षकारों की बातचीत से किसी साक्ष्य को प्रमाणित करना है तो ऐसे प्रकरणों में भी धारा 65 बी का प्रमाण पत्र प्रस्तुत कर उस साक्ष्य को प्रमाणित किया जा सकता है।

इंदौर शहर काजी बोले

यहूदी छोड़ ज्यादा से ज्यादा देशी सामान का उपयोग करें

शहर काजी ने ईद की नमाज से पहले कहा, सियासी चश्मा उतारकर भाईचारे की मिसाल कायम करें

इंदौर, एजेंसी। मुस्लिम समाज ईद गुरुवार को मना रहा है। समाजजन ने रमजान माह का 30वां रोजा बुधवार को रखा था। शहरकाजी डॉ. इशरत अली ने बताया कि मुख्य नमाज सदर बाजार ईदगाह पर सुबह हुई। इसके साथ ही शहरभर की मस्जिदों में ईद की विशेष नमाज हुई। यह बात ईद की नमाज से पहले शहर काज़ी डा. मोहम्मद इशरत अली ने सदर बाजार ईदगाह पर कही। उन्होंने हजारों लोगों को नमाज अदा कराई। उन्होंने कहा कि आज समय आ गया है कि हमें एकजुट होकर मानव अधिकारों के लिए लड़ना चाहिए। भारत हमेशा से ही फिलिस्तीन के साथ खड़ा रहा है और वहां की आवाम की फिक्र की है। हमको चाहिए कि हम यहूदी सामान का उपयोग नहीं करें और ज्यादा से ज्यादा देशी सामान का इस्तेमाल करें। आज हमने अपनी आंखों पर सियासी चश्मा पहन रखा है। इस सियासी चश्में से देखोगे तो हमें देश में हिंदू - मुस्लिम लड़ते हुए दिखाई देंगे। पर आज जरूरत है हमें इंसानियत और सामाजिक चश्मे की। इससे चारों ओर हमें भाईचारा और सद्भाव दिखेगा।

हम साया कौम के साथ भाईचारे के साथ रहें– शहर काज़ी ने कहा कि अपने अखलाक को अच्छा और बुलंद रखना पड़ेगा। हम साया कौम के साथ भाईचारे के साथ रहना चाहिए। एक-दूसरे के सुख-दुख में शामिल होना चाहिए। हम साया कौम से जिस तरह की हमें उम्मीद रहती है। हमें भी वैसा ही सुलूक उनके साथ रखना चाहिए।

आपसी मसले समाज में ही सुलझायें– उन्होंने कहा समाज में आज छोटी-छोटी बातों पर घर-परिवार बिखर रहे हैं। मामूली बातों को लेकर पुलिस और अदालत के चक्कर लगा रहे हैं। हमें चाहिए कि सभी तरह के मसले समाज में ही सुलझा लिए जाएं। अब तो अदालतें भी हर समाज में सुलाहा सेंटर खोल रही है। हमें इन सेंटरों पर अपने मसले सुलझाकर समय और पैसे की बर्बादी से बचना चाहिए। इंदौर में मुस्लिम समाज के सात सेंटर चल रहे हैं। यहां पर हाई कोर्ट द्वारा प्रशिक्षित मध्यस्थ मामलों को सुलझा रहे हैं।

शाही बग्घी में बैठाकर लाए ईदगाह– मुस्लिम समाज ईदुल फित्र का त्यौहार हर्षोउल्लास के साथ मना रहा है। सुबह से ही मुस्लिम बस्तियों में चहल-पहल है। नमाज के लिए शहर काजी को उनके निवास से शाही बग्घी में बैठाकर ईदगाह लाया गया और नमाज के बाद ससम्मान घर छोड़ा गया। यह जिम्मेदारी 50 सालों से सलवाड़ियां परिवार निभाते आ रहा हैं।

बीजेपी विधायक के कहने पर ही लड़ा था कांग्रेस के टिकट पर चुनाव, घर वापसी के बाद MP के नेता का बड़ा खुलासा

इंदौर, एजेंसी। इंदौर जिले की महू के कद्दावर नेता रामकिशोर शुक्ला के भाजपा में शामिल होने के बाद बड़ा खुलासा किया है. उन्होंने विधायक उषा ठाकुर और संगठन के बड़े नेताओं के कहने से कांग्रेस जॉइन की थी, क्योंकि विधान विधानसभा चुनाव के दौरान भितरघात के चलते भाजपा को महू सीट पर विजय नहीं दिख रही थी.

शुक्ला ने खुलासा किया कि महू विधानसभा सीट पर उषा ठाकुर को जिताने के लिए बड़े नेताओं और संघ के एक मित्र ने कांग्रेस से चुनाव लड़ने के लिए कहा था. इससे कांग्रेस के वोट बंट गए और उषा ठाकुर आसानी से चुनाव जीत गईं. रामकिशोर शुक्ला ने खुलासा करते हुए आगे कहा, अक्टूबर 2023 में संघ के जिला पदाधिकारी ने मुझसे संपर्क किया और कहा कि भाजपा प्रत्याशी का पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की ओर से खुलकर विरोध किया जा रहा है. लगता है कि भाजपा प्रत्याशी यहां से चुनाव हार जाएगा.

डॉक्टर दंपत्ति को डिजिटली हाऊस अरेस्ट किया, साइबर ठगों ने आठ लाख रुपए लूटे

इंदौर, एजेंसी। इंदौर में सामने आए एक हाईटेक साइबर फ्रॉड ने पुलिस को भी चौंका दिया है। शहर में पहली बार अपनी तरह का पहला सामने आया है। इसमें एक डॉक्टर दंपती को 53 घंटे तक लगातार डिजिटली अरेस्ट करके रखा गया और आखिरकार उनसे आठ लाख 36 हजार रुपए ठग लिए गए। बुधवार को राजेंद्र नगर में रहने वाले इस दंपत्ति ने क्राइम ब्रांच में शिकायत दर्ज कराई। ठगी के दौरान लुटेरों ने इंटरनेशनल कूरियर कंपनी, मुंबई कस्टम विभाग, साइबर क्राइम, सीबीआई और बैंक अफसर बनकर अलग-अलग तरह से बात की।

कैसे हुआ फ्राड

दंपत्ति ने बताया उनके पास एक फोन आया और बताया गया कि इंटरनेशनल कूरियर सर्विस कंपनी से थाईलैंड के लिए पार्सल डिलीवर हुआ है। फोन पर बात करने वाले ने खुद को कस्टम विभाग का अफसर बताया। कहा कि इसमें एक लैपटॉप, 40 किलो कपड़े और एमडी एमए ड्रग्स मिली है। आपके आधार कार्ड व अन्य आईडी भी निकले हैं, जिन्हें पार्सल डिलीवरी में उपयोग किया गया है। आपके ऊपर अब केस दर्ज होगा। इसके बाद फर्जी साइबर क्राइम अफसरों से ऑनलाइन कनेक्ट करवाया। उन्होंने कहा कि हम आपके खिलाफ केस दर्ज कर रहे हैं। पार्सल में आपके ही आईडी इस्तेमाल हुए हैं। जिन खातों के जरिए पार्सल का पैसा कूरियर कंपनी को गया है उन खातों में 16 करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन है, जो मनी लांड्रिंग के केस से जुड़े हैं। इसमें सीबीआई अधिकारी जांच कर रहे हैं। इसके बाद में फर्जी सीबीआई अधिकारी बनकर कहा कि आईडी आपका ही है। आपके खाते से 16 करोड़ के ट्रांजेक्शन हुए हैं। आपके आधार कार्ड और आईडी का भी इस्तेमाल हुआ है। डाक्टरों का कहना है कि आखिर में अंग तस्करी में उलझाकर रुपए ऐंठना शुरू किया। खुद को बेगुनाह साबित करने के लिए आपको इन खातों में पैसा भेजना पड़ेगा। इसके बाद डाक्टर दंपत्ति ने पैसा भेज दिया।

संकेतकों से दिशा ही नहीं, राहत ज्यादा मिलती है

सावधान
कार्य प्रगति पर है

इंदौर, एजेंसी। शहर में निर्माण कार्यों की भरमार है। बीच शहर में फ्लाईओवर आदि बनने से ट्रैफिक का हाल बुरा रहता है। ऐसे में चेतावनी देने वाले संकेतकों या मार्ग परिवर्तन बताने वाले बोर्ड की आवश्यकता भी महसूस की जाती रही है। नगर निगम या इंदौर विकास प्राधिकरण के कार्यों में इस नियम (संस्कार) का अभाव दिखता है। इसी शहर में खुले पड़े गड्ढों में गिरने से मौत के मामले तक सामने आ चुके हैं। इससे इनकी गंभीरता को समझा जा सकता है। देवास नाका यानी निरंजनपुर चौराहे पर भी फ्लाईओवर निर्माण की योजना है। एबी रोड पर दोनों ओर एक-एक किमी दूर से डायवर्जन के बोर्ड दिखाई देने लगे हैं। इस रास्ते पर जाने वालों को कम से कम यह तो पता लगने लगा है कि आगे रास्ता सीधा नहीं है। वहां निर्माण कार्य मिलने वाला है। निर्माण कार्यों की एसओपी में भी यह शामिल होता है और सभी का पालन नागरिकों के हित में है।

यह वन-वे कतई ठीक नहीं– शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए जवाहर मार्ग और एमजी रोड पर वन-वे का मामला लगातार बदलावों का सामना कर रहा है। चार पहिया वाहनों पर सख्ती है तो दोपहिया वाहनों को छूट है।

वजह यही नजर आती है कि दोनों सड़कें और उनसे लगे बाजार, व्यापारियों और स्थानीय लोगों की आदत-व्यवहार अलग है। कोई भी व्यवस्था लोगों के सहयोग के बिना मूर्त रूप कभी नहीं ले सकती। इस मामले में भी ऐसा ही हुआ। जनता को असहयोग के लिए जिम्मेदार ठहराना भी उचित नहीं है क्योंकि शायद यह निर्णय तार्किक नहीं था।

सैनिकों और पुलिसकर्मियों के सम्मान का अनूठा तरीका

सुरक्षा बलों, सैनिकों या फिर पुलिसकर्मियों के काम की जटिलताओं और चुनौतियों की आम आदमी सिर्फ कल्पना ही कर सकते हैं। शायद इसीलिए सैनिक को वर्दी में देखकर हर भारतीय का मन सम्मान की भावना से भर जाता है। विचारशील लोग यह भी सोच सकते हैं कि हम इस तरह की सेवा देने वालों को किस तरह सम्मान दें या उनके प्रति आभार व्यक्त करें। एक प्रतिष्ठित चिकित्सक डा. प्रवीण डाणी अपने क्लीनिक पर सैनिकों या पुलिसकर्मियों से परामर्श शुल्क नहीं लेते। इसकी सूचना बकायदा उनके क्लीनिक पर चस्पा भी है।

इसके लिए उन्हें परिचय पत्र दिखाना और अपाइंटमेंट लेकर आना होता है। बदले में वर्दीधारियों से यही अपेक्षा की जाती है कि वे इस भावना को और क्लीनिक के अनुशासन को भी पूरा सम्मान दें। इससे यह भी सीखा जा सकता है कि किंचित योगदान कहीं भी और कैसे भी किया जा सकता है। बस करने की पवित्र भावना होनी चाहिए।

इंदौर के केंद्रीय जेल में बंदियों से मिलने पहुंचे स्वजनों ने किया हंगामा

इंदौर, एजेंसी। शहर के केंद्रीय जेल के बाहर गुरुवार दोपहर को बड़ी संख्या में जेल बंदी के परिजनों का जमावड़ा लगा। ईद की छुट्टी होने से बड़ी संख्या में परिजन आज पहुंचे थे। जेल प्रहरी ने इन्हें मिलने नहीं दिया। इसके बाद परिजन आक्रोशित हो गए और विवाद शुरू हो गया। आक्रोशित स्वजनों ने चक्काजाम करने का भी प्रयास किया। लेकिन जेल प्रशासन ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। इसके बाद मामला शांत हुआ।

इंदौर में सीबीएसई स्कूलों की तीन कक्षाओं का सिलेबस बदला, पर अब तक बाजार में नहीं आई पुस्तकें

- पुस्तकों के इंतजार में परेशान हो रहे हजारों बच्चे, नया पाठ्यक्रम बाजार में आने के बाद पालकों को दोबारा नया सेट खरीदना पड़ेगा

इंदौर, एजेंसी। नया शिक्षा सत्र शुरू हो चुका है। सीबीएसई बोर्ड से मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों में पढ़ाई भी शुरू हो चुकी है, लेकिन कक्षा तीसरी, छठी और नौवीं का एनसीईआरटी का सिलेबस अब तक बाजार में नहीं आया है। इस बार एनसीईआरटी द्वारा इन कक्षाओं का पूरा सिलेबस बदला गया है, लेकिन पुस्तकें बाजार में नहीं आई हैं। ऐसे में अधिकांश स्कूल पुराने सिलेबस से ही कक्षाएं संचालित कर रहे हैं। इधर 50 फीसदी से अधिक पालक पुराना सिलेबस खरीद भी चुके हैं।

एनसीईआरटी द्वारा इस बार कक्षा तीसरी, छठी और नौवीं का पूरा सिलेबस बदला गया है, लेकिन नया शिक्षा सत्र शुरू होने के बाद भी पुस्तकें बाजार में नहीं हैं। जिले के सीबीएसई मान्यता प्राप्त करीब 150 स्कूलों द्वारा मार्च के अंत में ही पालकों को कक्षावार पाठ्यक्रम की सूची जारी कर दी थी। इसके बाद 50 फीसदी पालकों ने पुस्तकें भी खरीद ली हैं। ऐसे में नया पाठ्यक्रम बाजार में आने के बाद पालकों को दोबारा नया सेट खरीदना पड़ेगा। इधर, अधिकांश स्कूल संचालकों ने पुराने सिलेबस से ही कक्षाएं संचालित करना शुरू कर दी हैं। दरअसल, अधिकांश निजी स्कूल एनसीईआरटी के अलावा निजी प्रकाशकों की किताबों से भी अध्ययन कराते हैं, जबकि सीबीएसई ने एनसीईआरटी की पुस्तकों से ही पढ़ाने के लिए कहा है।

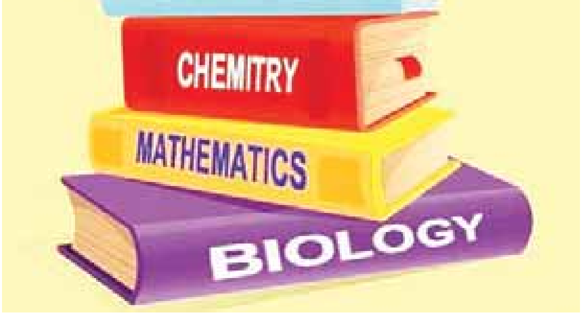

पालकों को आर्थिक नुकसान नहीं होगा

इल्वा स्कूल के प्राचार्य संजय मिश्रा ने बताया कि स्कूल में केवल एनसीईआरटी की किताबों से ही पढ़ाया जाता है। वर्तमान में पुराने सिलेबस से ही सामान्य चीजें पढ़ा रहे हैं। स्कूल की ओर से लाइब्रेरी से किताबें जारी करेंगे, इसलिए पालकों को दोबारा किताबें नहीं खरीदनी पड़ेंगी।

सराफा विद्या निकेतन स्कूल के प्राचार्य आलोक दवे ने बताया कि इस बार तीन कक्षाओं का एनसीईआरटी का सिलेबस बदला है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि जल्द ही नए सिलेबस की पुस्तकें बाजार में आ जाए। फिलहाल पुराने सिलेबस के कठिन अध्याय को पढ़ा रहे हैं, ताकि विद्यार्थियों में अध्याय को लेकर किसी तरह का भ्रम या संदेह न रहे।

लाइब्रेरी से मुहैया कराएंगे किताबें

सहोदय समूह के सिटी कोआर्डिनेटर उत्तम कुमार झा ने बताया कि नौवीं के सिलेबस की जानकारी आ चुकी है। एनसीईआरटी की किताबें नहीं होने पर निजी प्रकाशक की किताबों से पढ़ाया जा सकता है। तीसरी और छठी का भी सिलेबस बदला है, लेकिन ज्यादा माइने नहीं रखता है। पालकों को दोबारा नया सिलेबस खरीदने के लिए दबाव नहीं डाला जाएगा। स्कूल की लाइब्रेरी से ही किताबें या फिर प्रिंटआउट मुहैया कराया जाएगा।

चुनावी रण में महिलाएं दिखा रहीं दम

पार्टी की विचारधारा को मतदाताओं तक पहुंचाने में निभा रही महत्वपूर्ण भूमिका

Lok Sabha Election 2024

इंदौर, एजेंसी। चुनावी रण में महिलाएं भी जमकर दम दिखा रही हैं। दोनों ही प्रमुख राजनीतिक दलों की महिला विंग मैदान संभाल चुकी हैं। कहीं महिला कार्यकर्ताओं के सम्मेलन की तैयारी चल रही है तो कहीं महिला चौपाल आयोजित हो रही है। इंदौर में महिला मतदाताओं की संख्या कुल मतदाता संख्या का लगभग आधा है। यानी हर दूसरी मतदाता एक महिला है। यही वजह है कि दोनों ही राजनीतिक दल महिला मतदाताओं को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं बरत रहे। स्थापित बात है कि महिलाओं की बातों को महिलाएं ज्यादा आसानी से समझ सकती हैं। यही वजह है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही ने पार्टी में अलग से महिला विंग गठित की हुई है। भाजपा में जहां भाजपा महिला मोर्चा मैदान में है तो कांग्रेस से शहर महिला कांग्रेस ने मैदान संभाला हुआ है। दोनों ही संगठनों का अपना-अपना दावा है बावजूद इसके भाजपा महिला मोर्चा प्रचार और गतिविधियों में थोड़ा आगे नजर आता है।

मतदान के दिन शहर से बाहर न जाएं

महिला कार्यकर्ताओं के ग्रुप महिलाओं से इस बात की गुहार भी लगा रहे हैं कि वे मतदान के दिन शहर में ही रहें और अनिवार्य रूप से मतदान करें। सामान्यत: गर्मी की छुट्टियों में महिलाएं या तो मायके चली जाती हैं या किसी हिल स्टेशन पर घूमने निकल जाती हैं। कालोनियों में पहुंचने वाले महिला कार्यकर्ताओं के ग्रुप महिला मतदाताओं से मतदान अवश्य करने की अपील करते हुए यह भी कह रहे हैं कि आप अपना मायके जाने का या घूमने जाने का कार्यक्रम इस तरह से बनाएं कि मतदान प्रभावित न हो। मतदान के दिन शहर में रहें और मतदान अवश्य करें।

बस्तियों में बैठकों के दौर

भाजपा महिला मोर्चा और शहर महिला कांग्रेस दोनों ही शहर की बस्तियों में बैठके ले रहे हैं। प्रयास किया जा रहा है कि इन बैठकों में ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को शामिल किया जा सके। बैठकों में पार्टी की विचारधारा के साथ महिलाओं की समस्याओं को लेकर विचार मंथन भी हो रहा है। दोनों ही राजनीतिक दलों का प्रयास ज्यादा से ज्यादा महिलाओं को पार्टी से जोड़ने का है। यही वजह है कि दोनों सदस्यता अभियान भी साथ-साथ ही चला रहे हैं।

महिला चौपाल के माध्यम से पार्टी की विचारधारा पहुंचाने का प्रयास

दोनों ही राजनीतिक दल महिला चौपाल के माध्यम से पार्टी की विचारधारा को महिला मतदाताओं तक पहुंचाने का प्रयास कर रही हैं। इसके लिए पांच-पांच, सात-सात महिलाओं के ग्रुप बनाए गए हैं। ये ग्रुप अलग-अलग कालोनियों और बस्तियों में जाकर महिला मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं। उन्हें पार्टी की विचारधारा के बारे में जानकारी दे रहे हैं। भाजपा महिला मोर्चा कार्यकर्ताओं के ग्रुप जहां केंद्र सरकार की योजनाओं की जानकारी दे रहे हैं तो शहर महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं के ग्रुप नारी न्याय योजना के बारे में बता रहे हैं। महिला कार्यकर्ताओं के ये ग्रुप बार-बार कालोनियों, बस्तियों में जाकर महिला मतदाताओं से संपर्क कर रहे हैं।

संपादकीय

गॉड पार्टिकल के अन्वेषक का अवसान

दुनिया में गॉड पार्टिकल की खोज करने वाले प्रसिद्ध वैज्ञानिक नोबेल पुरस्कार विजेता वैज्ञानिक पीटर हिग्स का 94 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वो एडिनबर्ग यूनिवर्सिटी में प्रोफेसर थे। यूनिवर्सिटी ने हिग्स के निधन की पुष्टि करते हुए कहा कि उनका निधन लंबी बीमारी के बाद हुआ। विश्वविद्यालय के कुलपति पीटर मैथिसन ने कहा कि हिग्स शानदार शख्सियत और प्रतिभाशाली वैज्ञानिक थे। उनकी दृष्टि और कल्पना ने हमें दुनिया के बारे में हमारे ज्ञान को समृद्ध किया है। विश्व भर में पीटर हिग्स को हिग्स को गॉड पार्टिकल की खोज के लिए जाना जाता है। गॉड पार्टिकल की खोज ने यह समझाने में मदद की थी कि बिग बैंग (महाविस्फोट) के बाद सृष्टि की रचना कैसे हुई। उनके हिग्स-बोसोन सिद्धांत के लिए उन्हें संयुक्त रूप से भौतिकी का नोबेल पुरस्कार मिला था।

ब्रिटेन के पीटर हिग्स और बेल्जियम के फ्रांस्वा इंगलर्ट ने 2013 का भौतिकी का नोबेल पुरस्कार जीता था। दोनों वैज्ञानिकों ने परमाणु से छोटे कणों के द्रव्यमान को समझाने की प्रक्रिया की सैद्धांतिक खोज की थी। हिग्स रॉयल सोसाइटी के सदस्य और कंपेनियन ऑफ ऑनर रहे। उन्होंने 2012 में सैद्धांतिक भौतिकी के लिए हिग्स सेंटर की स्थापना की थी। हिग्स ने अपना गॉड पार्टिकल सिद्धांत 1960 में दिया था। जिसके मुताबिक 'गॉड पार्टिकल' या हिग्स बोसोन वह कण है जो हर दूसरे मूलभूत कण के द्रव्यमान का कारण माना जाता है। लेकिन हिग्स बोसोन का पता लगाने के लिए दुनिया की सबसे जटिल मशीन की जरूरत थी। हिग्स के सिद्धांत की पुष्टि में करीब 50 साल लगे। इसी तारतम्य में एक विशाल मशीन 2012 में लार्ज हैड्रॉन कोलाइडर स्थापित की गई। इसी मशीन के प्रयोग से हिग्स की गॉड पार्टिकल यानी मूलभूत कण के सिद्धांत की पुष्टि हुई। हालांकि इस खोज की पुष्टि के बाद हिग्स दुनिया की नजरों से बचते रहे। एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि हिग्स कण की खोज ने उनका जीवन 'बर्बाद' कर दिया है। आम लोगों के बीच हिग्स बोसोन को लेकर अधिकांश प्रचार इस तथ्य से है कि इसे 'गॉड पार्टिकल' करार दिया गया। इस अभिव्यक्ति का उपयोग पहली बार नोबेल पुरस्कार विजेता भौतिक विज्ञानी लियोन लेडरमैन ने किया था, जिन्होंने 1990 के दशक में हिग्स बोसोन की निरंतर खोज के बारे में इस शीर्षक से एक पुस्तक लिखी थी। लेडरमैन हिग्स बोसोन की मायावी प्रकृति का वर्णन करने के लिए अपनी पुस्तक का नाम 'द गॉडडैम पार्टिकल' रखना चाहते थे, लेकिन प्रकाशकों ने उन्हें गॉड पार्टिकल के नाम पर जाने के लिए प्रेरित किया, जो एक ऐसा नाम था जो अटक गया। हालांकि कई वैज्ञानिक उस अभिव्यक्ति को नापसंद करते हैं, क्योंकि इस नाम से धार्मिक अर्थ की बू आती है। बोसोन का बड़ा महत्व यह है कि यह वह कण है जो हर दूसरे मूलभूत कण के द्रव्यमान का कारण बनता है। इलेक्ट्रॉन या प्रोटॉन जैसे कणों के भीतर द्रव्यमान नहीं होता है। हिग्स और ये अन्य वैज्ञानिक एक सर्वव्यापी क्षेत्र के विचार के साथ आए, जिसे हिग्स फ़ील्ड नाम दिया गया, जैसे कोई विद्युत क्षेत्र, या चुंबकीय क्षेत्र या गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र होता है। यह इस क्षेत्र के साथ कणों की अंत:क्रिया है जो उन्हें द्रव्यमान प्रदान करती है। अंत:क्रिया जितनी अधिक होगी, द्रव्यमान उतना ही अधिक होगा।

हिग्स क्षेत्र और हिग्स कण की अवधारणा बहुत सहज नहीं है, लेकिन प्रकृति के काम करने के तरीके के बारे में हमारी वर्तमान समझ के लिए ये मौलिक हैं। हिग्स बोसोन की मुख्य प्रसिद्धि इसकी मायावी प्रकृति से आई। हिग्स बोसोन की खोज से दुनिया अपने पदार्थ के जन्म और द्रव्यमान की समझ की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ी है। इस महान वैज्ञानिक को सादर नमन।

बेहतर कल के लिए राजनीतिक पहल

नजरिया

अमन नम्र

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

आम चुनाव की इस बेला में राजनीतिक जमातों को पर्यावरण की कितनी सुध रहती है? क्या कभी राजनीतिक पार्टियां बताती हैं कि जिस जलवायु परिवर्तन के चलते देश के पहाड़ों से मैदानों तक हर साल बाढ़, सूखा, अचानक भारी बारिश से होने वाले भूस्खलन, तेजी से पिघलते ग्लेशियर से हमारा भविष्य दांव पर लगा है उसे बचाने के लिए वे क्या करेंगी? जमीन पर भले न करें, कम-से-कम चुनावी वादा ही कर दें, लेकिन बेहद अफसोस और चिंता की बात है कि ऐसे गंभीर विषय देश के नीति-नियंताओं की प्राथमिकता सूची से बाहर हैं।

यही वजह है कि मार्च के अंतिम हफ्ते में जब हिमालयी राज्यों से जुड़े तमाम सामाजिक, पर्यावरणीय कार्यकताओं और जन-संगठनों, स्वैच्छिक समूहों ने सभी पार्टियों के लोकसभा प्रत्याशियों के लिए एक डिमांड-चार्टर पेश किया तो मुख्यधारा के मीडिया के लिए यह कोई खबर ही नहीं थी, जबकि यह बेहद संवेदनशील, अहम और हम सबके भविष्य से जुड़ा मसला है।

दरअसल, 'पीपुल फॉर हिमालय कैंपेन' एक गैर-दलीय राजनीतिक पहल है। इसकी शुरुआत हिमाचल में फरवरी के अंत में हुई एक बैठक से हुई थी। इसमें लगभग सभी हिमालयी राज्यों से जुड़े करीब 67 संगठन, कार्यकर्ता, वैज्ञानिक आदि शामिल हैं। गवर्नेंस और नीति निर्माण में दखल देने के लिए राजनीतिक ताकत बनाने और बढ़ाने की जरूरत को देखते हुए यह अहम पहल है।

इसकी पहली बैठक में पांच बिंदुओं का दृष्टि-पत्र जारी किया गया था, इसी के आधार पर पांच ही बिंदुओं का डिमांड-चार्टर बना है। इसका मुख्य लक्ष्य आपदा मुक्त हिमालय की मुहीम है। आज पूरा हिमालयी क्षेत्र भयंकर संकट के दौर से गुजर रहा है। आपदाएं हैं जो अलग-अलग तरीके से सामने आ रही हैं। इसमें जलवायु परिवर्तन की वजह से ग्लेशियर का पिघलना, उससे जुड़ी नदियों में पानी का कम होना, भू-जल का सूखना, भूस्खलन, बाढ़ और इसकी वजह से पहाड़ी लोगों के जीवन, रोजगार पर पड़ रहे विनाशकारी प्रभाव आदि शामिल हैं।

हिमालय की बात ज्यादातर तभी आती है जब इसे या तो पर्यटन की नजर से देखा जाता है या फिर इस नजरिए से कि ये सीमावर्ती राज्य हैं, जहां निर्माण कार्यों की जरूरत है। दुखद यह है कि जब कोई बड़ी आपदा आती है, मुख्यधारा मीडिया की नजर उसी समय हिमालयी राज्यों पर पड़ती है, लेकिन हिमालय में क्या कुछ घट रहा है, हिमालय के लोग किन चुनौतियों का, किन हालात में सामना कर रहे हैं, ऐसे कौन से कारण हैं जिनकी वजह से आपदा का प्रभाव कई गुना बढ़ जाता है, ऐसे तमाम मुद्दों पर मीडिया और नेता सभी मौन रहते हैं।

नीतियां ऊपर से बनती हैं, असर जमीन के लोगों पर होता है। ऐसे में इस डिमांड-चार्टर को लोकसभा चुनाव के दौरान हर पार्टी और हर प्रत्याशी तक पहुंचाने की कोशिश हो रही है, ताकि नीतिगत बदलाव के लिए जमीन तैयार हो सके। लोगों के मुद्दे, उनकी जरूरतें नीति बनाते समय ध्यान में रखी जा सकें, नीति निर्माताओं पर यह दबाव बने कि वे पहाड़ों के संरक्षण को देखते हुए विकास की नीति बनाएं।

LOK SABHA ELECTIONS 2024

इस डिमांड-चार्टर को जारी करने की प्रेस कांफ्रेंस को देश के कई अहम सामाजिक, पर्यावरणीय कार्यकर्ताओं ने संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने जो कुछ कहा वह जानना भी महत्वपूर्ण है। हिमालय में जलवायु परिवर्तन ओर लोगों के अधिकार का मुद्दा हाल में लद्दाख में सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक के 21 दिन लंबे उपवास और संघर्ष के चलते कुछ हद तक मीडिया में भी उठा है। उनका अनशन खत्म हो चुका है, लेकिन बड़ी संख्या में महिलाएं अब भी अनशन पर बैठी हैं।

सोनम कहते हैं कि पूरे हिमालय में जलाशय हैं, इन्हें केवल लोहा, तांबा या लीथियम के खजाने की तरह न देखकर उत्तर-भारत के अहम जलस्रोत की तरह देखा जाना चाहिए। लद्दाख में संविधान की 'छठवीं अनुसूची' के तहत स्थानीय लोगों की भागीदार की बात करते हुए सोनम कहते हैं कि यह जिम्मेदारी केवल हिमालय के लोगों की नहीं है, इसमें पूरे भारत के लोगों का साथ जरूरी है। हम 'दांडी मार्च' की तरह 7 अप्रैल को 'पश्मीना मार्च' कर रहे हैं। उन्होंने अपील की कि देश के लोग विकास के नाम पर हुए विनाश को दर्शाने के लिए 7 अप्रैल को मार्च निकालें।

कश्मीर के पर्यावरण कार्यकर्ता और लेखक रजा मुजफ्फर भट कहते हैं कि ग्लेशियर पर्यावरणीय, भूगर्भीय धरोहर और खजाने हैं जिन पर 'एनजीटी' में 8 केस लंबे समय में पेंडिंग हैं। 'क्लाइमेट फ्रंट' जम्मू के 'यूथ फॉर हिमालय' से जुड़े अनमोल कहते हैं कि हमारे ऊपर जबरन विकास थोपा जा रहा है। जब हम हिमाचल की बाढ़ या जोशीमठ में दरकते घरों को देखते हैं तो इस विकास का भविष्य सामने नजर आता है। हमारे यहां डोडा में भी कई घर रातोंरात ढह गए, लेकिन इस पर बनी रिपोर्ट गोपनीय रखी गई।

हिमाचल के गुमान सिंह 'हिमालय नीति अभियान' के समन्वयक हैं। वे कहते हैं, केंद्रीकृत विकास पहाड़ के विनाश का मुख्य कारण है। राजनीतिक दल अपने घोषणा-पत्रों में पर्यावरणीय मुद्दों को भी स्थान दें, यह जरूरी है। हम पहाड़ के लोग यह सवाल भी पूछेंगे कि पहाड़ों में सुरंग बनाकर लोगों की जिंदगी खतरे में डालने वाली कंपनियों को 'इलेक्टोरल बॉन्ड' खरीदने पर राहत कैसे दे दी जाती है।

सामाजिक कार्यकर्ता बिमला देवी कहती हैं कि मसला केवल जल, जंगल, जमीन तक ही सीमित नहीं है, इसमें जाति का मुद्दा भी अहम है। जल, जंगल, जमीन के मसलों का असर जिन पिछड़ी जातियों पर होता है, उनकी बात कोई नहीं करता। प्राकृतिक आपदाएं झेलने में पिछड़ी जातियां सामान्य या ऊंची जातियों से पीछे नहीं होतीं, पर जब मुआवजा या मदद मिलने की बात आती है तो ये पीछे रह जाती हैं।

'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समिति' के अतुल सती ने 2013 और 2021-22 में पहाड़ों पर हाइडल प्रोजेक्ट्स की वजह से आई आपदाओं का जिक्र करते हुए बताया कि विस्थापन-पुनर्वास की यहां कोई नीति ही नहीं है। मौसम, कृषि आदि से होने वाले विस्थापन को भी इसमें शामिल करना जरूरी है। हिमालय में कृषि क्षेत्र घट रहा है, इससे भी पलायन बढ़ रहा है। 'चार धाम सड़क परियोजना,' कर्णप्रयाग तक आ रही रेल परियोजना में बन रही सुरंगों से पर्यावरण के खतरे बढ़ते जा रहे हैं।

आपदा मुक्त हिमालय बनाने के लिए पहाड़ों के विकास की नीतियों की समीक्षा जरूरी है। हमें इन चुनावों में ऐसे जनप्रतिनिधि चुनने चाहिए जो पर्यावरण के सवालों को अपने चुनावी एजेंडे में शामिल करें, पहाड़ों के संरक्षण की बात करें। उन्होंने कहा कि अगर आधिकारिक तौर पर पार्टियों ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में इस चार्टर की मांगों को नहीं रखा तो उनका बहिष्कार भी किया जाएगा।

अरुणाचल के इबो मेली कहते हैं कि सरकार वहां पॉम-ऑयल-ट्री-प्लांटेशन पर भारी निवेश कर रही है। नदियों पर बांध बनाने, हाइडल प्रोजेक्ट के लिए 100 से ज्यादा 'एमओयू' पर दस्तखत किए जा चुके हैं। 'एनएचपीसी,' 'सीएसआर फंड' के नाम पर 94 करोड़ रुपए खर्च कर रही है, ताकि ऐसे लोगों को खरीदा जा सके तो इन प्रोजेक्ट के नदियों, पहाड़ों और स्थानीय लोगों पर पड़ने वाले नकारात्मक असर को सामने लाने की कोशिश कर रहे हैं।

सिक्किम की जोम्बू वेली की मायामिथ लिप्चा तीस्ता नदी पर बन रहे बांध से प्रभावित हो रहे लोगों से जुड़ी हैं। उन्होंने बताया कि सिक्किम में 30 बांध, 58 फार्मास्यूटिकल कंपनी काम कर रही हैं। सिलीगुड़ी के सेवोक से सिक्किम में रंगपो तक रेलवे पहुंचाने के लिए 14 सुरंगें बनाई जा रही हैं, ताकि देश की सीमा तक रेलवे की पहुंच हो। इन सुरंगों से पहाड़ों पर संकट आ सकता है।

पिछले साल 4 अक्टूबर को यहां बड़ी आपदा आई थी जब ग्लेशियर के बहने से 14 हजार करोड़ लागत के हाइडल प्रोजेक्ट को भारी नुकसान हुआ था। 'एनएचपीसी' के मुताबिक करीब 233 करोड़ का नुकसान हुआ था। आज भी सरकार के पास इस बात का कोई डेटा नहीं है कि 4 अक्टूबर के हादसे मे कितने लोग बहे, कितने मरे, कितना नुकसान हुआ। मायामिथ कहती हैं, हमारा पैसा, जमीन, पर्यावरण सब खत्म हो रहा है। इस पर बोलने पर हमारे साथ ऐसा व्यवहार किया जाता है जैसे हम आतंकवादी हों।

असम के मोहन चंद्र सैकिया कहते हैं पहाड़ों पर बड़े बांध बनाए जा रहे हैं, इससे हमारे लिए खतरे बढ़ते जा रहे हैं। इन बांधों से अचानक पानी छोड़ने से बाढ़ आ जाती है, नीचे रहने वाले लोगों को बहुत नुकसान होता है। जमीन के क्षरण से लोगों को पलायन के लिए भी मजबूर होना पड़ता है। यही नहीं, असम में बड़े पैमाने पर रिजर्व फारेस्ट खत्म किए जा रहे हैं। जंगलों में खनन की मंजूरी मिल रही है, इससे घने जंगल खत्म हो रहे हैं। 'नार्थ ईस्ट डायलॉग फोरम' की ओर से सैकिया कहते हैं कि हम अपने मूल निवासियों, उनके जल, जीवन, जंगल को बचाने के लिए एकजुट हैं, हमें उम्मीद है कि हम इसमें कामयाब होंगे। (सप्रेस)

चुनाव सुधार और मतदाता

आम चुनाव

केदार शर्मा, निरीह

लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।

लोक सभा एवं कुछ राज्यों के चुनाव की प्रक्रिया चल रही है। इसी सदंर्भ में चुनाव सुधारों पर चर्चा करना प्रासंगिक होगा। चुनाव सुधारों को तत्कालीन चुनाव आयुक्त टी.एन. शेषन के काल में विशेष गति मिली थी। किसी समय पोस्टर और नारों से दीवारें अट जाती थी। दीवारें ही होर्डिंग का काम करती थी। गलियों और चौराहों पर नारों का शोर सुनाई देता था।

अब चुनावी खर्चों पर अनुमति और ऑडिट के अंकुश से चुनाव प्रचार की फिजां हीं बदल गई है। हालांकि इंग्लैंड,अमेरिका,और फ्रासं जैसे विकसित देशों की तरह चुनाव प्रचार सामग्री और भाषणों के प्रसारण आदि के संदर्भ में राजनीतिक दलों पर सरकार का पूर्ण नियंत्रण आवश्यक है।

इन दिनों चुनावी बांड का मुद्दा चर्चा में है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा इस पर अंगुली उठाई गई है।जब पार्टियां चंदा लेती हैं तो क्या सत्ता में आने के बाद सरकारें उनको उपकृत नहीं करती होंगी? हालांकि चुनाव आयोग ने खर्च की सीमा निर्धारित कर रखी है। फिर पार्टियां भी उम्मीदवार को सहायता देती हे। इस राशि का विकेन्द्रीकरण होता है। योग्य व्यक्ति की राह में धनबल रोड़ा बन कर सामने खड़ा रहता है। होना तो यह चाहिए कि सरकार ही राजनीतिक दलों को चुनाव लड़ने का पूरा खर्च दे और दानदाताओं से दान लेने पर पूर्ण प्रतिबंध हो ताकि उपकृत होने और चुनाव जीतने के बाद उपकार करने के भ्रष्टाचार का गोरखधंधा बंद हो सके।

नामाकंन फॉर्म में भरी गई सम्पत्ति का मीडिया के माध्यम से पता चलता है कि किस तरह से राजनेताओं की सम्पत्ति दिन दूनी रात चौगुनी गति से बढ़ती जाती है। अधिकतर राजनेता करोड़ों की सम्पदा के मालिक है। बहुत पहले सन् 1973 में तत्कालीन स्वतंत्र पार्टी के एम.पी. श्री दाण्डेकर ने मंत्रियों के खर्चे के जो आँकड़े प्रस्तुत किए थे, यदि उन्हें सत्य मान लिया जाए तो उस समय एक केन्द्रीय मंत्री की वार्षिक आाय उस समय 37000 रूपए प्रतिमाह थी जबकि प्रति व्यक्ति औसत वार्षिक आय 552 रूपए ही थी। मंत्रियों की यह आय जनता की आय से 848 गुना अधिक थी। आम आदमी और राजनेताओं के बीच यह आर्थिक खाई आज पचास साल बाद क्यों और कैसे और अधिक चौड़ी एवं गहरी होती गई है,यह शोध का विषय है। यह अलग बात है कि उसी अनुपात में राजनेताओं के प्रति जनश्रद्धा का ह्रास भी हुआ है।

सत्तारूढ़ पार्टियों द्वारा अपने कार्यकाल के आखिरी वर्षों में राजकोष से अंधाधुंध फ्री रेवड़ियां बाँटने की प्रवृत्ति तस्वीर का एक दूसरा कुत्सित पहलू है। चिंताजनक बात यह है कि मतदाता को लुभाने के लिए ये प्रलोभन और उत्कोच जनकल्याण की आड़ में बेतहासा लुटाए जाने की यह होड़ संक्रामक रोग की तरह बढ़ती दिखाई दे रही है। जनकल्याण के तौर पर साधन सुविधाएं देना ठीक है किंतु यदि औचित्य से अधिक हो और इनका छद्म उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना हो तो उससे राष्ट्रीय संपदा का अपव्यय ही नहीं होता बल्कि और भी कई अनिष्ट होते हैं।

इन सबके बीच मतदाता की जिम्मेदारी अब शासनाध्यक्षों से अधिक हो गई है,अन्यथा धूर्त राजनेता और मूर्ख मतदाताओं की जुगलबंदी से लोकतंत्र की जड़ों का खोखला होना सुनिश्चित है। यह किसी ने यह ठीक ही कहा है कि लोकतंत्र की जड़ें मतदान के खेत में उगती है। यदि दूरदर्शिता का पानी और विवेकशीलता का बीज नदारद है तो अनगढ़ और स्वैच्छाचारी जनप्रतिनिधियों की खरपतवार उगना सुनिश्चित है। यदि मतदाताओं की आंखों में जातिवाद और धार्मिक संकीर्णता का मोतियाबिंद छाया हो तो योग्य, प्रतिभावान और ईमानदार छवि वाले जनप्रतिनिधियों का चुनाव करना उनके लिए असंभव है। ऐसे मतदाता अपने तुच्छ स्वार्थों के खातिर उच्च विचारों और सद्कर्मो से संपन्न जनप्रतिनिधियों की अपेक्षा धनबल और बाहुबल से संपन्न अपराधियों का चुनाव करेंगे और यदि ऐसा होता है तो सुयोग्य जननेताओं के बजाय शातिर राजनेताओं से ही शासित होंगे। आजाद भारत में स्वराज भले ही आ गया हो पर सुराज्य महज कल्पना बनकर रह जाएगा।

अब बात करें निष्पक्ष मतदान प्रक्रिया की,जिसका ढिंढोरा तो खूब पीटा जाता है, परतुं अभी भी फर्जी मतदान रोकना दूर की कौड़ी बना हुआ है। मतदाता की पहचान के लिए अभी भी मतदान दल को उम्मीदवारों द्वारा मतदान दल के पीछे की ओर बिठाये गये स्थानीय पोलिंग एजेंटों पर निर्भर रहना पड़ता है। कई बार पोलिंग एजेंटों द्वारा मिलीभगत कर गलत मतदाता को भी सही बताकर वोट देने देने की प्रवृत्ति से इंकार नहीं किया जा सकता है। बाहर रहने वाले मतदाता के स्थान पर परिवार के ही किसी मिलती-जुलती शक्ल और उम्र के सदस्यों को वोट देने दिया जाता है।जब तक आधार कार्ड को मतदाता सूची से नही जोड़ा जाता, मशीन के प्रिंट पर अंगूठा लगाकर मतदान को अनिवार्य नहीं बनाया जाता तब तक पूर्णरूपेण फर्जी मतदान रोकना बहुत कठिन है। जब आधार कार्ड को आयकर पेन कार्ड, से जोड़कर टेक्स चोरी रोकी जा सकती है तो इसे मतदाता सूची से जोड़कर फर्जी मतदान क्यों नहीं रोका जा सकता।

यदि दोष है तो राजनैतिक दलों की उस कुत्सित प्रवृत्ति का जिसमें उम्मीदवार के चिंतन,चरित्र और प्रतिभा को दरकिनार कर केवल और केवल जिताऊ उम्मीदवार का आग्रह रहता है जातिगत बाहुल्य को आधार बनाकर टिकट देना जातिगत कट्टरता को बढ़ावा देता है। यही कारण है कि कई बार सभी बुरों में से कम बुरा उम्मीदवार चुनना मतदाताओं की मजबूरी बन जाती है।

वहीं दूसरी ओर 80 पार के वृद्ध और दिव्यांग मतदाताओं को घर पर जाकर पोस्टल बेलट द्वारा वोट देने की सुविधा का प्रावधान निश्चित ही स्वागत योग्य है। पचास हजार से अधिक की नकदी एवं प्रतिबंधित मादक पदार्थों को लाने ले जाने पर रोक,मतदाताओं को जागरूक करने हेतु विशेष अभियान टॉक शो आदि का आयोजन जैसे अनेक सकारात्मक पहलू भी है जो स्वागत योग्य है।

बच्चों की पुरानी किताबें रद्दी, यह सोच कितनी भद्दी

कटाक्ष

सूर्यदीप कुशवाहा

लेखक व्यंग्यकार हैं।

नया सत्र चालू आहे। किताबों का रेट अभिभावक को डाहे। आजकल किताबें दान तो छोड़िए, हर साल किताबें कूड़ादान में भाव रद्दी। इसमें प्रबंधन की सोच कितनी भद्दी? लक्ष्मी की कृपादृष्टि के लिए सरस्वती प्रतिरुप किताबों का विसर्जन जरूरी है। नई किताबें कमाई बढ़ाती हैं। शिक्षा व्यवस्था में चार चाँद लगाते विभिन्न प्रकाशक।उनके बंदे प्रबंधन को ज्ञान से ज्यादा मार्जिन का फायदा गिनाते हैं। सिलेबस की किताबें महंगा इतना कि लहंगा भी शर्माए। अभिभावक निरीह दुधारू गाय हैं। वे जितना निचोड़ लें। अपने बछड़ो का भावी भविष्य संवारना जो है। विरोध से कहीं उनमें अवरोध न आ जाए। अब शिक्षा व्यापार है। इसमें संभावना अपार है। सुपर मार्किट वाला प्यार है। देश में इंग्लिश स्कूल खुले हैं। जो इंग्लिश भाषा का धौंस में बिकते हैं। यहाँ हिंदी भाषा अध्यापक सबसे निरीह जीव दिखता है। हिंदी बोलने पर जुर्माना है। यह मनमाना अध्यादेश स्कूल में लागू है।राजभाषा हिंदी अभागी है। किसी की पुरानी किताबों से पढ़ लें, तब सिलेबस भी बदल दिया जाता है।

अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलवा कर एक सुरक्षित भविष्य का सपना देखना अब अभिभावकों के लिए मुश्किल हो गया है। अब तक जहां स्कूलों की फीस जुटाने में परिजनों की कमर टूट जाती थी वहीं अब बच्चे की किताबें खरीद में कई महीनों का घर का बजट हिल जा रहा है। आम आदमी बच्चों को खिलाए कि पढ़ाए। प्रशासन सब कुछ जानकर भी अनजान है, लेकिन अभिभावकों की आफत में जान है। मरता क्या न करता और महंगी किताबें, स्टेशनरी खरीदता ही है। वह लाचार है। जब शिक्षा महंगी होगी तो देश का नौनिहाल बिन पढ़ाई अचार डालेगा। नियम कहता है कि किसी भी अभिभावक को एक ही दुकान से पुस्तकें खरीदने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है। यहाँ बाध्य ही है। देखा जाए कि निजी स्कूलों के संचालकों की ओर से पालकों को निर्धारित दुकानों से ही यूनिफार्म, जूते, टाई, किताबें-कापियां खरीदने के लिए बाध्य किया जाता है। यह असाध्य रोग है। इस रोग को प्रशासनिक डॉक्टर ही ठीक कर सकते हैं।

बेलगाम शिक्षा व्यवस्था है। फिर भी स्कूलों में आस्था है। बच्चों का भारी बस्ता है। उनकी हालत खस्ता है।अच्छी शिक्षा व्यवस्था के नाम पर लूट और अभिभावक म्यूट है। यह सब कमीशन का खेल है, अभिभावक रहे झेल हैं। नई शिक्षा नीति है। फिर भी बच्चों के ज्ञान का स्तर ऊपर से नीचे है। बच्चों की महंगी किताबें और प्रशासन मौन साधे। बुद्धजीवी पीड़ा देख कहता राधे-राधे। ऐसे में इतनी महंगाई में आम आदमी कैसे अपने बच्चों को पढ़ा पाएगा। यही सवाल प्रशासन को जगाएगा। आह! बच्चों की पुरानी किताबें रद्दी, यह सोच कितनी भद्दी।

सुबह सवेरे मीडिया एल.एल.पी. के लिए
उमेश त्रिवेदी द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रक्चर एण्ड
सर्विसेस प्रा. लि., राउखेड़ी, देवास रोड, इंदौर
से मुद्रित एवं 662, साईं कृपा कॉलोनी, बॉम्बे
हॉस्पिटल के सामने, इंदौर से प्रकाशित।

प्रधान संपादक - उमेश त्रिवेदी
संपादक (म.प्र.) - गिरीश उपाध्याय
वरिष्ठ संपादक - अजय बोकिल
स्थानीय संपादक - हेमंत पाल
प्रबंध संपादक - अरुण पटेल

(सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा)
RNI No. MPHIN/ 2015/ 66040,
Mobile No.: 09893032101
Email- subahsaverenews@gmail.com

'सुबह सवेरे' में प्रकाशित विचार लेखकों के निजी मत हैं।
इनसे समाचार पत्र का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

गमले में जुमले

व्यंग्य

अशोक गौतम

महीना पहले वसंत आने पर मेरे प्रिय पड़ोसी मेरे घर मुस्कुराते हुए आए तो मन ही मन नहीं, बाहर से मैं डरा भी ! क्योंकि मुझे आजतक अपने पड़ोसी का अपने घर आना शुभ साबित नहीं हुआ है।

पड़ोसी चाहे मेरा हो या आपका, पड़ोसी का हंसना हर हाल में प्रलय लाता है। पड़ोसी की हंसी प्रलय से पहले की हंसी होती है। आदर्श पड़ोसी जब भी हंसते हैं, उनकी हंसी कहर बरपाती है। पड़ोस में नया बवंडर लाती है। तब वे फूलों के पौधे एक ओर रख क्षमा याचना सहित मुस्कुराते बोले, मन से या दिखावा करते, ये तो वे ही जाने, ' तुम्हारे लिए फूल लाया हूं। लाइफ टाइम फूल हैं। एक बार जो लग गए तो रात को भी मुस्कुराते रहेंगे। माफ करना ! मैंने तुम्हारे साथ आजतक बहुत बुरा किया है, पर अब मैं चाहता हूं कि....' कह उन्होंने मेरी तरफ अलग अलग जात के फूल के आठ दस पौधे बढ़ाए तो मैं दहका। यार ! ये हो क्या रहा है? आज दिन में सूरज की जगह चांद कहां से निकल रहा है? मेरे जो पड़ोसी शरीफी की मखमल में बदतमीजी लपेट मेरे मुंह पर मारते रहे और मैं इस मुगालते में जीता रहा कि आज नहीं तो कल, वे सुधर जाएंगे, और सच्ची को आज वे ....

फिर मैंने सोचा कि चलो, बरसों को भटके पड़ोसी घर आए हैं तो उनका स्वागत होना चाहिए। पुरजोर स्वागत होना चाहिए। सो मैंने उनका स्वागत ठीक वैसे ही किया जैसे हम हर बार अमेरिका से आने वालों का करते हैं। चाहे वे हमारे यहां किसी भी मकसद से आते रहे हों। वैसे आज तक जिस तरह से अमेरिका वालों का हमारे देश में आने का कोई न कोई छुपा मकसद रहा है वैसे ही मेरे पड़ोसी का भी रहता है। बिना छुपे एजेंडे के बिना हमारे घर आते ही नहीं।

चाय पानी के बाद मैंने उनके दिए फूलों के पौधे पहले उनके सीने से लगाए और फिर अपने गले से। और उसके बाद बड़े शौक से गमलों में एक एक कर लगा दिए, अपने पड़ोसी की मधुर स्मृतियां मान ! पड़ोसी पड़ोसी को फूल दे, ऐसे अवसर पड़ोस में बहुत बार आते हैं। वर्ना जो आपका पड़ोसी कुत्ते वाला हुआ तो वह आपके घर के सामने अपने कुत्ते की पोटी ही देता है रोज सुबह सुबह। फूल ज्यों ज्यों बढ़ते रहे मैं उतना ही पता नहीं क्यों उनसे डरता रहा। यार ! पता नहीं ये कैसे फूल होंगे? मेरा फिर फूल बनाकर तो नहीं चले गए होंगे कहीं? फिर सोचा, अंट शंट मत सोच यार ! बी पॉजिटिव ! ये फूलों के पौधे उस खास पड़ोसी ने पहली बार सप्रेम भेंट किए हैं जो तुझे आजतक बबूल ही देता रहे हैं।

कल गमलों में महीना जल के बदले गंगाजल डालते रहने के बाद उनके दिए फूलों के पौधों में कलियां आने लगीं तो मैं चहका। लगा, पहली बार वे सच्चे पड़ोसी बनने की ओर अग्रसर हो रहे हों ! शुक्र है, फूलों में फूल ही आ रहे हैं, बबूल नहीं। सारी रात तब सुबह खिले फूल देखने की चाह लिए सो नहीं पाया। सुबह सुबह के जागने से पहले उठा और फूलों के गमलों की ओर लपका तो ये क्या ! हर गमले में फूल के बदले एक एक जुमला खिला हुआ। गुलाब के पौधे में भी जुमला तो गेंदे के गमले में भी जुमला। सूरजमुखी के गमले में भी जुमला तो रात रानी के गमले में भी जुमला। इस गमले में भी महका हुआ जुमला तो उस गमले में भी गदराता जुमला। मैं डरा ! यार ! ये पौधे विभिन्न दलों के होंगे कि फूलों के? अभी अपने से प्रश्न कर ही रहा था कि एक गमले का पौध बोला , 'बंधु ! तुम्हारे पड़ोसी दे तो तुम्हें फूलों के ही पौधे गए थे पर....'

'पर बोले तो? मैंने गमले में लगे फूल की जड़ों की ओर देखा तो वह उसने आगे कहा ,' जुमलों का मौसम चल रहा है न ! ऐसे में फूलों के पौधों में फूल कैसे खिल सकते हैं? फूल के पौधों में फूल तो तब लगते जो फूलों का मौसम होता। ये जुमलों का मौसम है। वसंत पर चुनाव का मौसम भारी है। वासंती हवा में खुशबू की नहीं, जुमलों की खुमारी है। कान हो तो ध्यान से सुनो ! वोटर रूपी भौंरे जुमले रूपी फूलों पर देखो तो कितनी मस्त मस्त गुंजार कर रहे हैं। अपनी आंखें फेसबुक, व्हाट्सएप से जरा हटाकर तो देखो फेसबुक, व्हाट्स्एप यूनिवर्सिटी के बफेलो ! गुल मेहंदी के गमले में भी जुमला खिल रहा है तो कंदपुष्प के गमले में भी जुमला खिल रहा है। नरगिस के गमले में भी जुमला खिल रहा है तो गुलबहार के गमले में भी जुमला खिल रहा है। अंगूर की बेल में भी अंगूर के बदले जुमले लटक रहे हैं। खट्टे या मीठे ! ये तो बाद में ही पता लगेगा। अंजीर के पेड़ में भी अंजीर की जगह जुमले लगे हुए हैं। अनार ,आड़ू, अमरूद ,आलू बुखारा, आम तक सब में अनार, आड़ू, अमरूद, आलू बुखारा,आम नहीं जुमले ही लगे हैं। हवा में जुमले गुलाल हो रहे हैं। पानी में जुमले कमाल हो रहे हैं। सड़क पर आदमी की जगह जुमले नचाते निहाल हो रहे हैं,' मैंने तब आव देखा न ताव, फूलों के पौधों में लगे अलग अलग किस्म के जुमलों को जी भर सूंघा और बिस्तर हो लिया।

राजनीति

भूपेन्द्र भारतीय

लोकसभा चुनाव में महुआ काल

शहडोल चुनावी दौरे पर कहाँ राहुल गांधी ने थोड़ा सा महुआ का फूल चख लिखा, उसका नशा भाजपा नेताओं की जबान पर सर चढ़कर बोलने लगा और फिर दोनों दलों की ओर से इस फूल के माध्यम से आरोप प्रत्यारोप शुरू। लोकसभा के चुनाव में मध्यप्रदेश में महुआ के फूल ने इस बार अलग माहौल बना दिया है। कुछ पहलवानी बुद्धि के नेताओं की जबान फिसल भी गई और उन्होंने भारत के ग्रामीण समाज के प्रतिक महुआ के फूल को नशे व शौक तक ही सीमित कर दिया!

यदि देखा जाए तो जो पेड़ हिमालय की तराई तथा पंजाब के अतिरिक्त सारे उत्तरीय भारत तथा दक्षिण के जंगलों में प्रचुर मात्रा में पाया जाता हैं , ग्रामीण भारत में जिस पेड़ के फल, फुल,बीज, लकड़ी का आजीविका के रुप में उपयोग होता हो, उसके एक फूल का सेवन करने पर पहलवानी बुद्धि वाले नेतागण शौक या फिर नशे का प्रतीक बताये, बहुत ही दयनीय व ग्रामीण भारत का अपमान है। साथ ही उन सभी ग्रामीण, जनजातीय व आदिवासीय समुदाय के मतदाताओं का अपमान जिनके वोट बैंक के लिए इन दिनों तथाकथित नेतागण उनके घर-घर व गाँव गाँव जाकर वोट के लिए नाक रगड़ रहे हो।

यदि 5 मिनट भी गुगल पर आप महुआ के फूल व पेड़ के उपयोग पर पढ़ेंगे तो पाऐंगे कि 'यह एक भारतीय उष्ण कटिबंधीय वृक्ष है जो उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और जंगलों में बड़े पैमाने पर पाया जाता है। महुआ के पेड़ और प्राचीन आदिवासी समाज का बहुत गहरा नाता है, जब अनाज नहीं था तब आदिम आदिवासी समाज के लोग महुआ के फल को खाकर अपना जीवन गुजारते थे, आदिवासी समाज के पारंपरिक सांस्कृतिक लोकगीतों में महुआ के गीत गाए जाते हैं। विशेष प्राकृतिक अवसरों पर आज भी महुआ के पेड़ की पूजा की जाती है। इसकी पत्तियाँ फूलने के पहले फागुन-चैत में झड़ जाती हैं। पत्तियों के झड़ने पर इसकी डालियों के सिरों पर कलियों के गुच्छे निकलने लगते हैं जो कूर्ची के आकार के होते है। इसे महुए का कुचियाना कहते हैं। कलियाँ बढ़ती जाती है और उनके खिलने पर कोश के आकार का सफेद फूल निकलता है जो गुदारा और दोनों ओर खुला हुआ होता है और जिसके भीतर जीरे होते हैं। यही फूल खाने के काम में आता है और 'महुआ' कहलाता है।

यहां तक कि महुआ का उल्लेख संस्कृत व अन्य भाषाओं व बोलियों में होता आया है, भारतीय ग्रामीण समाज के लोकमानस में इससे संबंध गीत व लोकगीत प्रचुर मात्रा में रचे बसे हैं। 'महुआ' जिसे संस्कृत ग्रन्थों में महाद्रुम, मधुष्ठील, मधुपुष्प, मध्वग, तीक्ष्णसार आदि नाम दिया गया है। प्राचीन किवदंतियों के अनुसार इसकी उत्पत्ति का संबंध देवासुर युद्ध से जोड़ा गया है। जिसके अनुसार समुद्र मंथन के उपरांत इस बहुमूल्य वृक्ष संसार में आया। जिसे कल्पवृक्ष के नाम से भी जाना जाता है।

अंग्रेजों ने इस पर कानून बनाकर प्रतिबंध लगाया। ब्रिटिश काल में भारत की अर्थव्यवस्था में भी महुआ के पेड़ों की अहम भूमिका थी। तत्कालीन ब्रिटिश सरकार के कुल राजस्व का एक चौथाई दवाओं और नशीले पदार्थों से आता था, जिसमें महुआ के फूल भी शामिल थे। चूंकि महुआ के फूलों से बनने वाली अवैध शराब के कारण राजस्व को नुकसान होने लगा, इसलिए अंग्रेजी हुकूमत ने इसके संग्रह पर प्रतिबंध लगाने के भरपूर प्रयास किए। सरकार शराब के अवैध उत्पादन पर अंकुश लगाने के लिए तत्पर थी, इसलिए महुआ के पेड़ उखाड़ने का प्रस्ताव रखा गया। महुआ ग्रामीणों की आय का बड़ा साधन था व अंग्रेज विदेशी शराब भारत में लाना चाहते थे इसलिए अंग्रेजों ने सन 1882 में बंबई विधान परिषद में म्होवरा बिल लाया गया जिसका भारतीय राष्ट्रवादियों ने पुरजोर विरोध किया, क्योंकि महुआ के फूल लोगों के लिए भोजन का एक स्रोत भी थे। हालांकि, अंततः वर्ष 1892 में बिल को पारित करा लिया गया था। स्वतंत्रता के बाद हमारे नेताओं ने इस ओर कोई अच्छा व उल्लेखनीय कार्य तो किया नहीं, लेकिन वर्तमान में दुर्भाग्य ही कहे महुआ पर ओछी व तुच्छ राजनीति की जा रही है।

महुए का फूल बीस-बाइस दिन तक लगातार टपकता है। महुए के फूल में मिठास का प्रायः आधा अंश होता है, इसी से पशु, पक्षी और मनुष्य सब इसे चाव से खाते हैं। इसके रस में विशेषता यह होती है कि उसमें रोटियाँ पूरी की भाँति पकाई जा सकती हैं। इसका प्रयोग हरे और सूखे दोनों रूपों में होता है। हरे महुए के फूल को कुचलकर रस निकालकर पूरियाँ पकाई जाती हैं और पीसकर उसे आटे में मिलाकर रोटियाँ बनाते हैं। जिन्हें 'महुअरी' कहते हैं। सूखे महुए को भूनकर उसमें पियार, पोस्ते के दाने आदि मिलाकर कूटते हैं। इस रूप में इसे 'लाटा' कहते हैं। इसे भिगोकर और पीसकर आटे में मिलाकर 'महुअरी' बनाई जाती है। हरे और सूखे महुए लोग भूनकर भी खाते हैं। गरीबों के लिये यह बड़ा ही उपयोगी होता है। यह गायों, भैसों को भी खिलाया जाता है जिससे वे मोटी होती हैं और उनका दूध बढ़ता है। इससे शराब भी खींची जाती है। महुए की शराब को संस्कृत में 'माध्वी' और आजकल के तथाकथित आधुनिक शहरी लोग 'ठर्रा' कहते हैं। महुए का सूखा फूल बहुत दिनों तक रहता है और बिगड़ता नहीं।' ऐसे कितने ही महत्व व उपयोग है इस पेड़ व इसके फूल, फल , बीज व लकड़ी के। वहीं उससे ज्यादा महुआ भारतीय ग्रामीण समाज की संस्कृति व अस्मिता से जुड़ा है।

ऐसे में नेताओं के द्वारा महुआ का प्रतिक रूप में उपयोग कर अपनी राजनीतिक रोटियों सेकना ग्रामीण भारत के लिए अपमान स्वरूप है। जो वनस्पति सदियों से हमारे समाज को जोड़े हुए है। समाज का पोषण कर रही है। संस्कृति से जुड़ी हुई है। उसे राजनीतिक हथियार बनाना, घिनौनी राजनीति का ही उदाहरण है। जिस पर नेताओं की हल्की व छिछलेदार टिप्पणी निदंनीय तो है ही, साथ ही यह ग्रामीण भारत का अपमान है। जिसके लिए इन्हें क्षमा मांगना चाहिए।

विज्ञान

डॉ. तेज प्रकाश पूर्णानन्द व्यास

(सेवानिवृत्त प्राचार्य एवं विज्ञान लेखक)

वैज्ञानिकों ने खोजा पृथ्वी सतह से 700 किमी नीचे विशाल महासागर

इस छिपे हुए समुद्र की भयावहता पृथ्वी के जल चक्र के पुनर्मूल्यांकन को प्रेरित करती है, जो प्राथमिक स्रोत के रूप में धूमकेतु के प्रभाव को प्रस्तुत करने वाले सिद्धांतों से संभावित विचलन का सुझाव देती है। इसके बजाय, यह धारणा कि पृथ्वी के महासागर धीरे-धीरे विकसित हो सकते हैं।

वैज्ञानिकों ने पृथ्वी की सतह से 700 किमी नीचे विशाल महासागर की रहस्य और रोमांचकारी खोज की है। नवीनतम विकास के अनुसार, पानी का एक विशाल भंडार खोजा गया है, जो ग्रह की सतह के नीचे गहराई में मौजूद पृथ्वी के सभी महासागरों के आकार का तीन गुना है। यह भूमिगत जल स्रोत हमसे लगभग 700 किमी नीचे स्थित है। यह उल्लेखनीय खोज इवान्स्टन, इलिनोइस में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों द्वारा की गई थी।

पृथ्वी के पानी की उत्पत्ति का पता लगाने की अपनी खोज में, वे एक महत्वपूर्ण खोज पर ठोकर खा गए - एक विशाल महासागर जो पृथ्वी के आवरण के भीतर, सतह के काफी नीचे छिपा हुआ था। रिंगवुडाइट के भीतर घिरा हुआ, एक चट्टान जो एक विशिष्ट नीले रंग का प्रदर्शन करती है, यह गुप्त महासागर पृथ्वी के पानी के स्रोत के बारे में हमारी समझ को खारिज कर देता है।

ऐसे खोजा गया महासागर- मुझे लगता है कि हम आखिरकार पूरी पृथ्वी के जल चक्र के सबूत देख रहे हैं, जो हमारे रहने योग्र ग्रह की सतह पर तरल पानी की विशाल मात्रा को समझने में मदद कर सकता है। वैज्ञानिक दशकों से इस लापता गहरे पानी की तलाश कर रहे हैं। इस भूमिगत महासागर का पता लगाने के लिए यूएस में 2000 भूकंपमापी का एक व्यापक नेटवर्क तैयार किया गया और 500 से ज्यादा भूकंपों से निकलने वाली तरंगों की जांच की गई है। तरंगें पृथ्वी की कोर सहित उसकी आंतरिक परतों से होकर गुजरती हैं। नम चट्टानों से गुजरते समय मंदी का अनुभव किया गया, जो एक बड़े जल भंडार का संकेत देता है। इस तरह से शोधकर्ताओं ने महासागर खोजा।

जमीन में पानी रहना जरूरी- पृथ्वी की इतनी गहराई में चट्टानों के कणों के बीच पानी ग्रह के जल चक्र के बारे में हमारी धारणा को बदल सकता है। जैकबसेन ने इस जलाशय के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि अगर धरती के नीचे ये महासागर न हो तो पूरी धरती पर पानी भर जाएगा। धरती पर सिर्फ ऊंचे पहाड़ों की चोटियां ही हमें दिखाई देंगी, बाकी पूरी जमीन पानी के नीचे होगी। अब पूरी दुनिया में शोधकर्ता भूकंपीय डेटा इक्ट्ठा करना चाहते हैं। उनके निष्कर्ष पानी की समझ में क्रांतिकारी बदलाव ला सकते हैं।

रहस्य और रोमांच- अंतर्राष्ट्रीय वैज्ञानिकों ने पृथ्वी के नीचे 700 किमी दूर एक विशाल महासागर की खोज की विज्ञान और प्रौद्योगिकी हाल ही में एक दिलचस्प रहस्य की खोज की गई है यह रहस्य पृथ्वी की परत के नीचे छिपा एक विशाल महासागर है। यह तलहटी, पृथ्वी की सतह से 700 किमी नीचे रिंगवुडलाइट नामक चट्टान में स्थित है। ऐसा माना जाता है कि यह पृथ्वी की सतह के सभी महासागरों की कुल आयतन का तीन गुना है।

इसने संयुक्त राज्य अमेरिका के 2000 भूकंपमापी नेटवर्क का उपयोग करके खोज की। इस उपकरण ने 500 से अधिक भूकंपों से उत्पन्न भूकंप तरंगों का पता लगाया, जो पृथ्वी के कोर में नाम चट्टानों के साथ संपर्क में आने के बाद आम हो गए, जो इस विशाल जल भंडार की उपस्थिति के संकेत बिंदु हैं। 2014 के एक वैज्ञानिक पेपर में प्रकाशित निष्कर्षों का शीर्षक था निकले मेंटल के टॉप पर निर्जलीकरण पिघलाना । इस पेपर में रिंगवुडलाइट के अनोखे गुणों को भी प्रस्तुत किया गया है। रिंगवुड एक स्पेल की तरह है, जो पानी को सोख लेता है। रिंगवुडाइट की क्रिस्टल संरचना, मूल रूप से इसे बनाने और पानी को अवशोषित करने की मात्रा है।

इस रहस्योद्घाटन के पीछे वैज्ञानिक प्रयास का नेतृत्व करने वाले नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के एक सलाहकार स्टीवन जैकबसेन के अनुसार, इस विचार का समर्थन करने के लिए महत्वपूर्ण साक्ष्य प्रदान करते हैं कि पृथ्वी का पानी आंतरिक रूप से उत्पन्न हुआ है। इस खोज में पृथ्वी के जल चक्र के बारे में हमारी समझ को नया आकार देने की क्षमता है और यह ग्रह के स्टॉक एक्सचेंज को एक नया दृष्टिकोण प्रदान करता है।

जैकबसेन ने इस तटीय महासागर के महत्वपूर्ण हिस्से पर प्रकाश डाला और पृथ्वी की सतह के नीचे पानी बनाए रखा। इसके बिना, पानी मुख्य रूप से ग्रह की सतह पर रहता है, और केवल पर्वत चोटियाँ ही दिखाई देती हैं। इंजीनियर अब मेंटल पिघलने की व्यापकता की पुष्टि करने के लिए विश्व स्तर पर अधिक भूकंपीय डेटा एकत्र करने के लिए उत्सुक हैं। यह खोज पृथ्वी के जल चक्र के बारे में हमारी समझ में क्रांति का वादा करती है। पृथ्वी के मेंटल संक्रमण क्षेत्र में एक विशाल H_2O भंडार की संभावना की खोज की जा रही है, जो कि भूजल के रूप में गहराई वाले मेंटल के निर्जलीकरण और पिघलने का कारण बन सकता है। इस में खनिजों की उच्च जल भण्डार क्षमता एक विशाल क्षेत्र की उपस्थिति क्षेत्र को सौंपी गई है, जो कि डॉक्युमेंटेड है, और निर्जलीकरण का पिघला हुआ संक्रमण क्षेत्र में H_2O को शोखने का काम किया जा सकता है। इंफेक्शन क्षेत्र से कंबोडिया मेंटल में डाउनवेलिंग के प्रभावों की जांच करने के लिए, डिजिटल ने उच्च दबाव वाले लेजर प्रयोग, संख्यात्मक मॉड्यूल और भूकंपीय पी-टू- रूपांतरण और इंफेक्शन क्षेत्र में इंटरग्रेन पोर्टफोलियो प्रयोग किया है।

आओ, शहतूत के नीचे...

ललित निबंध

विवेक कुमार मिश्र

लेखक हिंदी के प्रोफेसर हैं।

शहतूत जब पकता है तो अपनी तरफ खींच लेता है। शहतूत के आसपास एक चुंबकीय वृत्त सा बन जाता है। एक सघन छाया में शाखों के बीच शहतूत खोजते हाथ मिल जाते हैं। किसी को भी इससे मतलब नहीं है कि कहां क्या हो रहा है सब शहतूत के नीचे बस शहतूत के लिए होते हैं और शहतूत अपने स्वाद व रस से सभी को अपना बना लेता है। यहां पूरी दुनिया ही खींची चली आती है। शहतूत है कि हाथ दे देकर सबकों बुला लेता है। कहते हैं कि जो शहतूत के नीचे आकर भी शहतूत नहीं खा पाता उसका कुछ नहीं किया जा सकता। शहतूत तो बस देना जानता है। यह आप पर है कि आप शहतूत लें। शहतूत के रस में और रंग में डूबे। नहीं डूबे तो शहतूत क्या करें ?

शहतूत पक जाता है और अपने साथ एक गाढ़ा रंग ले लेता है। कत्थई और काले होते रंग के बीच रस से सराबोर अपने स्वाद में डुबो लेता है। स्वाद ऐसा कि... खींचें चलें आते हैं। हर शाख पर शहतूत और इतनी की गिन नहीं सकते बस मन भर खा सकते हैं खाते खाते थक जाएं पर शहतूत ने लुटाना नहीं छोड़ा। शाख पर, अपने आसपास और धरती पर बस शहतूत ही है जो इस तरह पड़ा रहता है कि आप आएं और उठा कर लें जाएं। शहतूत किसी से कुछ नहीं कहता आपको परेशान नहीं करता वह तो बस यही कहता है कि जब मन हो जब मन करे कि शहतूत के नीचे आना है तो ज्यादा सोचना मत चलें आना। बिल्कुल बच्चों सी सहजता लिए। ये मत सोचना कि शहतूत तोड़ते तोड़ते हाथ रंगें जा रहे हैं। कपड़े पर दाग लग रहे हैं या शहतूत है कि कहीं भी पड़ जाता। कभी भी कपड़ा खराब कर देता, अपने रंग और रस में रच देता। अब किया भी क्या जा सकता है। शहतूत ने तो बस यहीं जाना कि जो उसके पास आ गया उसे रंगना ही है । वह तो रंग में रंगता, स्वाद में रंगता और रस में रंगता है। अपना ही बना लेता है। शहतूत के यहां परायापन नहीं होता जो आता वहीं उसका हो जाता और इस क्रम में शहतूत का रंग चढ़ जाता। पूरी दुनिया ही शहतूत के रंग में रंगी सी दिखती है। शहतूत है तो शहतूत ही है । यहां किसी की जरूरत नहीं। शहतूत के आगे किसी तरह का भेद नहीं होता न ही यहां कोई अमीर होता न गरीब। जिसके पास शहतूत है उससे बड़ा कोई नहीं। वह एक तरह से राजा है। स्वाद का राजा। रस का राजा। रंग इस तरह भरता कि जमाना ही उसके पास हो। आप कहीं जाएं कहीं से आ जाएं पर शहतूत को न भूलें। यदि शहतूत को भूल गए तो फिर बचा ही क्या। इससे बढ़कर जिंदगी में और है भी क्या जिसे याद करें। शहतूत तो एक तरह से जिंदगी ही है। कुछ भी करों कहीं भी जाओ पर कम से कम इतना जरूर करों कि अपने शहतूत को मत भूलो। शहतूत को शहतूत की तरह याद रखों...अपने जीवन में बसा कर रक्खो। शहतूत बस होता है और अपने ही अंदाज में होता है तभी तो कहते हैं कि यहां शहतूत का रंग जमा है जो गाढ़ा है। रस से भरा है, मीठा है तो उतना ही खट्टा भी एक बार जुबान पर चढ़ जाने की बात है फिर आप शहतूत को न तो भूल सकते हैं न ही शहतूत आपको भूलेगा। चित्र, रंग और रूप के साथ शहतूत फलता फूलता ही नहीं बल्कि पक जाता है।

शहतूत की शाखाएं कह रही थी - कि तुम कहां चले गए ? मैं तो यहीं इस तरह टकटकी लगाए राह देख रही हूं - और तुम हो कि देखते भी नहीं - भला कोई शहतूत को ऐसे भी छोड़ता है । देखो न जब हमारी शाख पर फल थे - न जाने कहां कहां से जाने अनजाने सब आ जाते थे पर आज जब फल नहीं है तो कोई इधर भटकते भी नहीं आता। मुझे किसी से शिकायत नहीं है। उनसे शिकायत भी क्या करूं जो मेरे पास सिर्फ शहतूत लेने आते थे। पर तुम तो शहतूत के रंग में डूबे थे, शहतूत के रस रंग और स्वाद को जी भरकर देख रहे थे - शहतूत के साथ जी रहे थे और मेरी शाखाएं जो आसमान की ओर जा रही थी उन्हें नवा कर तुम धरती से लगा देते थे - तुम्हारे लिए ही तो मैं दोहरी होकर धरती को भी रंगें जा रही थी पर तुम इतनी जल्दी शहतूत को भूल जाओगे - मैं सोच भी नहीं सकती ।

पर.....

किया भी क्या जा सकता ?

यह तो समय समय की बात है

शहतूत का जब समय आता है तो सभी शहतूत के हो जाते हैं।

शहतूत के प्रति ऐसी दीवानगी कि कुछ और दिखता ही नहीं।

शहतूत भी सभी के होने में...सभी के साथ रस में डूबता उतराता रहता है। शहतूत इतना मगन हो जाता है कि अपने रंग और स्वाद में धरती को ही रंग देता है।

आओ! शहतूत के नीचे। जो कुछ है जितना है जो शहतूत का है जो शहतूत का संसार है वह सब ले जाओ पर शहतूत के साथ लगाव और रस के रिश्ते को तो मत भूलो। शहतूत को किसी से कुछ भी नहीं चाहिए। वह यदि अपना आसमान बनाता है तो अपने नीचे सघन धरती भी बनाता है। जहां छाया होती है जहां रस होती है। इन सबके साथ जीवन का गंध होता है। इसे छोड़कर भला कहां कोई भी जा सकता पर यह जो दुनिया है वह हवा से भी तेज घूमती है। जो आज है वह कल नहीं होगा। और कल कोई और होगा। कल कोई और आसियाना बना लेगा। शहतूत का क्या है वह किसी से भी कुछ नहीं कहता। वह तो बस अपनी दुनिया, अपनी शाखाएं और अपनी छाया को लेकर तेज तपिश में भी जीवन को रस के संसार में घुला मिला देखना चाहता है।

यह संसार एक सत्य है। शहतूत पके प्रेम को रस रंग और गंध के साथ रचता रहता है। आप कुछ भी करें पर शहतूत को न भूलें। शहतूत है तो रंग है और रस व स्वाद भी है। शहतूत जीवन की तरह ही साथ ही घुला मिला चलता रहता है। कोई एक रूप नहीं कोई एक रंग नहीं कोई एक रस नहीं पर सबकुछ पके स्वाद से जीवन से भरा होता है। जीवन ही होता है। जीवन और शहतूत एक रंग में रंगे रहते हैं। किसी को भी छोड़ कर नहीं चला जा सकता न जीवन को न शहतूत को....ठीक कह रहे हैं।

वक्रोक्ति

सुरेश उपाध्याय

लेखक व्यंग्यकार हैं।

वरिष्ठ के गरिष्ठ हो जाने की चुनौती

एक फिल्मी गीत की पंक्ति में जीवन को दार्शनिक अंदाज में तीन घंटे का शो कहा गया है, जिसमे पहला घंटा बचपन, दूसरा जवानी और तीसरा बुढापा बताया गया है. हमारी परम्पराओ में भी जीवन को उम्र के आधार पर तीन हिस्सो में बांटा गया है- ब्रह्मचर्य, गृहस्थ व वानप्रस्थ. उम्र के आधार पर पांच समूह से आज हमारा परिचय हैं और प्रत्येक समूह के लिए आयु सीमा निर्धारित है ङ्क बाल, किशोर, युवा, अधेड़ व बुजुर्ग (वरिष्ठ). 60 वर्ष से अधिक आयु समूह के लोग वरिष्ठ नागरिक कहलाते है तथा इस आधार पर स्वाभाविक सम्मान के भाव समाज से उनके प्रति अपेक्षित होते हैं. सरकार की कुछ योजनाओ में वरिष्ठ नागरिको के लिए सुविधाओं के भी प्रावधान किए गए हैं, इनमे यथा समय बदलाव भी होते रहे हैं. राजनीति में आयु के आधार का यह वर्गीकरण दलो के प्रकोष्ठ यथा बाल, छात्र, युवा व मुख्य संगठन के रुप में जाना जाता है. इसके अलावा महिला, श्रमिक, किसान, सैनिक आदि प्रकोष्ठ का एक अलग आधार होता है जिसका आयु से कोई सम्बंध नही होता है. छात्र नेता, युवा नेता, युवा ह्रदय सम्राट के रुप में पहचान बनाकर मुख्य संगठन में पहुंचे कुछ ही नेता वरिष्ठ कहलाते है बाकी सब नेता ही रह जाते हैं. कुछ पेराशूट से सीधे मुख्य संगठन में अवतरित होकर वरिष्ठ कहलाने के हकदार हो जाते हैं. इस वरिष्ठता का क्या आधार है? यह स्पष्ट व सुपरिभाषित नही है. संगठन में या सरकार में कितने समय (स्थानीय / प्रांतीय / केंद्रिय स्तर) पद पर रहे सम्भवतः यह एक आधार हो सकता है. लेकिन चवन्नी मेम्बर रहकर कितने वर्ष दरी बिछाई, झंडे उठाए, नारे लगाए, जेल गए, डंडे खाए, रैलियो की शोभा बढाई, वाटर केनन सही, अश्रु गैस के धूए का सामना किया आदि को वरिष्ठता का आधार कोई क्यो मानेगा? अब तो दल बदल कर आने वाले नेता भी आते ही वरिष्ठ हो जाते हैं तथा संस्थापक व पुराने मनमसोस कर रह जाते हैं. दल बदल वालो के लिए भी वरिष्ठता का कोई न कोई पैमाना क्यो नही तय होना चाहिए? मजेदार बात यह है कि कोई भी कनिष्ठ नही कहलाना चाह्ता है, सभी की आकांक्षा वरिष्ठ कहलाने की होती है. शासकीय सेवा की तरह वरिष्ठ श्रेणी में आने पर रिटायर होने का तो राजनीति में सवाल ही पैदा नहीं होता है. अब कोई कामराज योजना आ जाए या मार्गदर्शक मंडल में सम्मान स्वरुप प्रतिष्ठित कर दे तो बात अलग है.

इसी तरह साहित्य के क्षेत्र में सामान्यतः साहित्यकार व वरिष्ठ साहित्यकार दो श्रेणिया पाई जाती है, कनिष्ठ का यन्हा भी कोई प्रावधान नहीं है. साहित्यकार से कब कोई वरिष्ठ साहित्यकार होगा?, वरिष्ठता का आधार क्या होगा?, यह स्पष्ट व्याख्यायित न होने से बडी असमंजस की स्थिति है. इससे कभी कभी असहज, हास्यास्पद व विचित्र स्थिति निर्मित हो सकती है. वरिष्ठता का आधार परिभाषित न होने से अध्यक्ष के आसन पर विराजित करने से लेकर माइक पर आमंत्रण के क्रम में दुविधा का सामना करना पड सकता है. एक अनुभवी - दमदार संचालक तो इस मामले में स्व-विवेक से निर्णय ले सकता है तथा मनमानी / तानाशाही के आरोप का सामना विवेकाधिकार की ढाल से कर सकता है. लेकिन नया व भीरु प्रवृत्ति का संचालक दबाव की स्थिति में रहता है और पहले से लिखकर दिए का अक्षरशः पालन करता है. बदलाव के लिए उसे बीच में किया गया कोई इशारा, कान में फूंकी गई कोई सलाह या भेजी गई पर्ची उसके आत्मविश्वास को डिगा सकती है तथा असमंजस में वह कोई गड़बड़ी कर सकता है. यह गड़बड़ी भी अव्यवस्था, मनमुटाव व नाराजगी का बायस बन सकती है.

आज तो स्थिति यह है कि जो जिसे चाहे उसे वरिष्ठ घोषित कर देता है और अपने आप को वरिष्ठ (स्वयंभू) घोषित करने वाले भी देखे जा सकते हैं. आखिर, साहित्य का क्षेत्र पढ़े-लिखे व विचारवान लोगों से ताल्लुक रखता है, इसे इस तरह अराजकता की स्थिति में कैसे छोड़ा जा सकता है? साहित्यिक संगठनों को इस स्थिति पर गम्भीरता से विचार करना चाहिए. साहित्यकार व वरिष्ठ साहित्यकार की स्पष्ट व्याख्या कर भ्रम के बादल छांटे जा सकते हैं/छांटे जाना चाहिए. आखिर, कुछ तो पैमाने तय होना चाहिए - कितनी उम्र के बाद, कितनी पुस्तकों के प्रकाशन के बाद, कितनी विधाओ में लेखन के बाद, उनके साहित्य के कितनी भाषाओं में अनुवाद के बाद, उनकी पुस्तकों के कितने संस्करणों के बाद, किस स्तर के कितने पुरस्कारों को अर्जित करने के बाद (जिसमे सरकारी / अ-सरकारी - स्थानीय, प्रादेशिक, राष्ट्रीय के आधार पर वेटेज दिया जा सकता है), अनुवाद की कितनी पुस्तको के बाद या अन्य जो भी आधार तय हो कोई साहित्यकार वरिष्ठ कह लाएगा. इसमें बहुभाषी लेखको (एक से अधिक भाषा में लेखन) के साथ विभिन्न भाषाओं के साहित्य को पढ़ने, जानने, समझने व सहित्यिक संगठन में पदाधिकारी के लम्बे कार्यकाल को भी अतिरिक्त योग्यता के तौर पर सम्मिलित किया जा सकता है. सुपरिभाषित होने पर आयोजकों को अध्यक्षता के चयन में सुविधा होगी तथा संचालनकर्ता को उन्हे क्रमवार माइक पर आमंत्रित करने में कोई दुविधा महसूस नहीं होगी, न ही किसी प्रकार का संकोच होगा और कोई भी इसे अन्यथा नहीं ले सकेगा.

साहित्य के गहरे सामाजिक सरोकारों के चलते सुचारु, सुपरिभाषित व सुव्यवस्थित ढंग से वरिष्ठ कहलाने पर सम्बंधित में एक तरह से आत्म गौरव व संतोष के साथ जिम्मेदारी का भाव भी विकसित होगा. बिना मापदंड पूर्ण किए वरिष्ठ कहलाने के अपने खतरे भी हैं - दूसरों को दोयम दर्जे का साहित्यकार समझने के खतरे, अपने आप को श्रेष्ठ समझने के खतरे तथा ऐसे वरिष्ठ के गरिष्ठ हो जाने के खतरे. गरिष्ठ को समझना, पचाना, हजम करना इतनी आसान बात नहीं है और इससे नाना प्रकार के विकार उत्पन्न होने के खतरों से इंकार नही किया जा सकता है. राजनीति ने तो सम्भवतः वरिष्ठ को गरिष्ठ होने के पूर्व मार्गदर्शक मंडल में शरीक करके दुविधा से मुक्ति का मार्ग खोज लिया है और साहित्य के लिए भी सम्भावना की एक राह दिखाई है. ख्यात कथाकार - उपन्यासकार श्री प्रेमचंद ने कहा था 'साहित्य का काम महफिल सजाना और मनोरंजन करना नहीं है और न ही वह राजनीति के पीछे चलने वाली सच्चाई है वरन आगे मशाल लेकर चलने वाली सच्चाई है'. लेकिन मार्गदर्शक मंडल वाले मामले मे तो राजनीति आगे निकलती दिख रही है? और साहित्य के क्षेत्र में वरिष्ठ के गरिष्ठ होने की चुनौती गहराती नजर आ रही है.

दूसरे दिन भी बैतूल में रेड अलर्ट, जिला मुख्यालय पर झमाझम बारिश

बैतूल। बैतूल जिले में दूसरे दिन भी बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 24 घंटे के दौरान ओलावृष्टि होने और तेज हवाएं चलने की संभावना है। गुरूवार सुबह जिला मुख्यालय पर कुछ समय तक तेज बारिश होते रही। बारिश के कारण मौसम में ठंडक घुल गई है। तापमान में भी गिरावट दर्ज की गई। मौसम विभाग भोपाल ने गुरूवार को जारी की गई एडवायजरी में बताया कि अगले 24 घंटे के दौरान बैतूल, छिंदवाड़ा और पांढूर्णा में बारिश का रेड अलर्ट है। यहां अतिवृष्टि, व्रजपात होने और झंझावत के साथ 50 से 60 किलोमीटर घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना बनी है। गुरूवार सुबह लगभग 8 बजे जिला मुख्यालय पर गरज चमक के साथ तेज बारिश हुई। मुख्यालय के अलावा जिले के अन्य क्षेत्रों में भी बारिश होने के समाचार प्राप्त हुए है। बुधवार रात को भी जिले के कई क्षेत्रों में गरज चमक के साथ बारिश हुई। बारिश के कारण फसलों को नुकसान पहुंचा है। बेमौसम बारिश ने लोगों को परेशान करके रखा है। मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आगामी 15 अप्रैल तक बारिश का दौर चलने की संभावना बनी है।

मतदान मौलिक अधिकार के साथ लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण : डॉ.रविकांत उइके

होम्योपैथिक दिवस पर डॉक्टरों ने मतदाता जागरूकता की शपथ ली

बैतूल। जिले के होम्योपैथिक डॉक्टरों ने होम्योपैथिक दिवस पर आयोजित एक कार्यक्रम में मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने के लिए शपथ ली। इस कार्यक्रम में जिले के कई होम्योपैथिक डॉक्टर और संगठनों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर नरेंद्र कुमार सूर्यवंशी के निर्देशानुसार एवं स्वीप जिला नोडल अधिकारी अक्षत जैन के मार्गदर्शन में मुख्य स्वास्थ्य एवं चिकित्सा अधिकारी डॉ.रविकांत उइके की उपस्तिथि में स्वीप जिला यूथ आइकॉन अभिलाषा बाथरी ने जिले के समस्त आयुर्वेदिक एवं होम्योपैथिक (आयुष) डॉक्टर को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा चुनाव का पर्व देश का गर्व है। लोकतंत्र को मजबूत करने एवं एवं मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए इस अभियान से जुड़कर मतदाताओं को जागरूक करने डॉक्टर्स उन्हें सहयोग प्रदान करें। डॉ. रविकांत उइके ने कहा कि मतदान मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ हमारे लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। डॉ.अरुण जयसिंह पुरे ने कहा कि देश के बारे में लिए गए निर्णय में अपनी राय रखने के लिए लोगों को वोट देने के लिए प्रेरित करना महत्वपूर्ण है। एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ.सुमित मदरेले ने कहा कि देश के बारे में लिये गए निर्णयों में अपनी राय रखने के लिए लोगों को वोट देने के लिए जागरुक करना महत्वपूर्ण कार्य है जो हम सभी डॉक्टर्स अवश्य करेंगे। डॉ.शैलेंद्र सोनी ने कहा कि मतदान अपने नागरिक कर्तव्य का पालन करने और समाज का सक्रिय सदस्य बनने का एक महत्वपूर्ण तरीका है। डॉ.विनय सिंह चौहान ने कहा कि इस अभियान का लक्ष्य अधिक लोगों को हमारे लोकतंत्र में भाग लेने और उनकी आवाज सुनने के लिए प्रेरित करता है। डॉ.निखिलेश चढोकार ने कहा कि मतदान लोकतंत्र का पर्व है, हम सभी चिकित्सक इसमें अहम भूमिका निभाएंगे, लोगों को मतदान के लिए जागरूक करेंगे।

संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों में मतदान सबसे बड़ा अधिकार है : प्रजापति

छल, बल और प्रलोभन से परे पवित्र भाव से मतदान करें

देवास। भारतीय लोकतंत्र विश्व में अनूठा है। हमारे लोकतंत्र की विशेषताएं अद्भुत हैं। चुनाव प्रकिया हमारे लोकतंत्र की सबसे बड़ी विशेषता है। संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों में मतदान सबसे बड़ा अधिकार है। आइए हम अपने इस अधिकार का निर्भिक होकर उपयोग करें। छल, बल और प्रलोभन से परे पवित्र भाव से मतदान करें। लोकतंत्र में पूरी आस्था रखते हुए हमको शत प्रतिशत मतदान के लिए मतदाताओं को जागरूक करना है भले ही हमें अभी मतदान का अधिकार प्राप्त नहीं हुआ हो पर जिन्हें यह अधिकार प्राप्त है उन्हें हम सब मिलकर उनके अधिकार की याद दिलाएं। जीवन में जो महत्व धर्म का है लोकतंत्र में वही महत्व मतदान का है। नवरात्रि के तृतीय दिवस स्वीप अंतर्गत नगर प्रभारी स्मिता रावल के नेतृत्व में चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान अंतर्गत जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी हिमांशु प्रजापति ने माताजी टेकरी के शंख द्वार पर अभियान संचालन का अवलोकन कर उपस्थित छात्राओं और शिक्षिकाओं के समक्ष उपरोक्त विचार व्यक्त करते हुए कहा कि स्वीप दल द्वारा महारानी चिमनाबाई शा.क.उ.मा.वि. के सहयोग से चलाए जा रहे मतदाता जागरूकता अभियान का सार्थक प्रभाव होगा। अभियान को प्रोत्साहित करते हुए प्रजापति ने पुरूष दर्शनार्थियों को मतदान की अपील वाले बैज लगाए। प्राचार्य रूचि व्यास, स्मिता रावल, निशासिंह मालवीय, निशा राठौर, डॉ. रजनीश पोरवाल, सुरेन्द्र राठौर और प्रसून पंड्या की उपस्थिति में छात्रा मुस्कान पंवार ने माता के तीसरे स्वरूप चंद्रघंटा देवी के रूप में छात्राओं पूजा सौराष्ट्रीय, पायल सोलंकी, निशा मालवीय, मनीषा उपाध्याय, राशि फुलेरिया, पायल हाड़ा, प्रिया अग्रवाल, हेमलता लाठिया, नेहा मुछाल, शिवानी पंवार, रोशनी मालवीय और स्नेहा ठाकुर के साथ मिलकर आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान करने की अपील के साथ महिला दर्शनार्थियों को बैज लगाए। इस अवसर पर महारानी चिमनाबाई स्कूल की छात्राओं द्वारा टेकरी परिसर में स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।

जिला जेल में मुस्लिम बंदियों ने ईद की नमाज अदा की

बैतूल। ईद-उल-फितर के अवसर मस्जिद कमेटी बैतूल के मोलाना मोहम्मद खान द्वारा जिला जेल बैतूल में परिरूद्ध मुस्लिम बंदियों को ईद की नमाज अदा करवाई गई। साथ ही परिरुद्ध मुस्लिम बंदियों की उनके परिजनों से विशेष मुलाकात कराई गई। इस अवसर पर मुलाकात पर आए परिजनों द्वारा बंदियों का मुह मीठा करवाया गया। जेल अधीक्षक श्री योगेन्द्र कुमार तिवारी ने ईद-उल-फितर के अवसर पर सभी मुस्लिम बंदियों को ईद की मुबारकबाद दी गयी।

मुस्लिम भाइयों को दी ईद की बधाई

बैतूल। गुरूवार को सुबह करबला स्थित मस्जिद पर ईद ऊल फित्र का त्योहार मुस्लिम भाईयों द्वारा हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष हेमन्त वागदे, पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष धीरु शर्मा एवं पूर्व युवक कांग्रेस अध्यक्ष राजेश गावण्डे सहित कांग्रेस जनों ने ईदगाह पर गले लगकर मुबारकबाद दी।

सीएमएचओ कार्यालय के बाबू को चलती बाइक पर आया अटैक, दो अन्य की भी मौत

बैतूल। हार्ट अटैक की बीमारी दिन प्रतिदिन बड़ते ही जा रही है। लोगों की चलते फिरते मौत हो जा रही है। कोई सोच भी नहीं सकता कि इस तरह से चलते फिरते किसी मौत हो जाएगी। कोविड के बाद से हार्ट अटैक की घटनाएं अधिक सामने आ रही है। गुरुवार को जिला चिकित्सालय में तीन लोगों की संभावित हार्ट अटैक से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के मुताबिक सीएमएचओ कार्यालय में पदस्थ सहायक ग्रेड-3 संजय झरबड़े (47) निवासी गाड़ाघाट रोड टिकारी बाइक चला रहा था, बाइक चलाते-चलाते वह अचानक गिर गया और मौत हो गई। वहीं बानूरखापा निवासी महिला बबली पति भोजराज (23) की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि महिला की काम करते समय अचानक उल्टी हुई। परिजन तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। भरकावाड़ी निवासी एक युवक एमपीईबी में प्राइवेट गार्ड का काम करता था। जिसकी गुरुवार को अचानक तबीयत बिगड़ी और परिजन जिला अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक प्रथम दृष्टया तीनों लोगों की मौत संभावित हार्ट अटैक के कारण हुई है। हालांकि अभी पीएम रिपोर्ट आने के बाद ही कारण स्पष्ट हो पाएगा। पहले उम्रदराज के लोगों को हार्ट अटैक होने की सबसे ज्यादा घटनाएं सामने आती थी, लेकिन अब 15 से 20 से 40 वर्ष के युवाओं को भी हार्ट अटैक आने लगे है। बढ़ते हार्ट अटैक की घटनाएं चिंता का कारण बनी है। हार्ट अटैक आने का सबसे बड़ा कारण खराब लाईफ स्टाईल को बताया जा रहा है।

हार्ट अटैक की बढ़ती घटनाओं को लेकर डॉक्टर्स खराब लाईफ स्टाईल को बता रहे है। हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. श्याम सोनी ने बताया कि हार्ट अटैक ऐसे हो रहे कि लोगों को पता भी नहीं चल पाता है। इसका प्रमुख कारण खराब लाईफ स्टाईल है। डॉ.सोनी का कहना है कि जिस किसी भी युवक को हार्ट अटैक से बचना है ऐसे लोगों को कुछ नियमित जांचे करना अति आवश्यक है। कुछ भी शिकायत नहीं होने के बावजूद भी कम से कम एक वर्ष में दो से तीन प्रकार की जांचे करना आवश्यक हो जाता है। वैसे तो हर दो-तीन के भीतर बीपी, शूगर की जांच के अलावा ईसीजी और टीएमटी की जांच जरूर करना चाहिए। कई लोग कोई भी शिकायत नहीं होने की स्थिति में वर्षों से सेहत की जांच नहीं करते और अचानक हार्ट अटैक आ जाता है। सामान्य व्यक्ति को भी कोलोस्ट्राल की जांच करनी चाहिए। समय के अनुसार शरीर में परिवर्तन भी होते रहता है, इसलिए यह सभी प्रकार की जांचे जरूरी है। कई लोगों को यह देखा गया कि एक बीमारी की दवाई लेने के बाद वे दूसरी जांचे नहीं होती और एक ही दवाई खाते रहते है। जांचे समय पर नहीं होने के कारण हार्ट अटैक की घटनाएं अचानक बड़ जाती है। डॉ. श्याम सोनी का कहना है कि ग्रामीण अंचलों में लोग झोलाछाप डॉक्टरों से इलाज करवाते है और उन्हें बीमारी के बारे में बहुत अधिक जानकारी नहीं होती है। बिना चेकअप किए ही दवाई देते है। इस कारण से भी बीमारी बड़ जाती है। डॉक्टर का कहना है कि लोगों को तनाव से भी दूर रहना चाहिए और खानपान का विशेष ध्यान दे। जिन लोगों की नियमित दवाई चल रही है वे दवाई का सेवन करते रहे। कोई भी शिकायत होने की स्थिति में किसी भी अच्छे डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

श्रीबाथरी साहू समाज का फरमान: शादी समारोह में दूल्हा-दुल्हन के साथ महिलाओं के नृत्य पर लगाई पाबंदी

अनावश्यक खर्च रोकने आतिशबाजी, पायरो सहित प्री वेडिंग शूट पर भी प्रतिबंध

बैतूल। श्रीबाथरी साहू समाज ने विवाह समारोह सहित अन्य आयोजनों के लिए गाइडलाइन निर्धारित कर दी है। ग्राम धामनगांव में आयोजित साहू समाज की बैठक में समाज के वरिष्ठ जनों ने शादी समारोह में दूल्हा दुल्हन के साथ महिलाओं के नृत्य पर भी पाबंदी लगा दी। नृत्य पर लगाए गए प्रतिबंध के साथ ही अत्यधिक खर्च को रोकने का निर्णय भी लिया। इस निर्णय के तहत, आतिशबाजी, पायरो सहित प्री-वेडिंग शूट को भी मना किया गया है। अन्य समाज के युवक-युवतियों के साथ शादी करने पर परिवारजनों का बहिष्कार करने का भी निर्णय लिया गया। साथ ही, परिवार के किसी सदस्य की मृत्यु की घटना पर अंतिम संस्कार में नए वस्त्र की जगह कपूर, हवन, नारियल लेकर जाने की अपील की गई है। ग्रामीण समाज के सामाजिक जनों ने इस निर्णय का समर्थन किया है ताकि समाज में समृद्धि और सामाजिक समता का माहौल बना रहे।

समाज के वरिष्ठ जनों का कहना है कि यह निर्णय सामाजिक परिवर्तन का प्रतीक है जो समाज के विकास और प्रगति की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। इससे विवाह समारोहों में अत्यधिक व्यय को रोकने से परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी, जिससे उनकी सामाजिक सुरक्षा और स्थिरता में सुधार होगा। इसके अलावा, यह प्रतिबंध पर्यावरण की रक्षा में भी मददगार साबित हो सकता है, क्योंकि अत्यधिक आतिशबाजी और अनावश्यक खर्च पर्यावरण को अधिक ठोस प्रभावित करते हैं। इस प्रकार, यह निर्णय सामाजिक, आर्थिक, और पर्यावरणिक मामलों में समृद्धि और समाजिक न्याय की प्राप्ति की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान करेगा।

बैठक में लिए यह निर्णय

लग्न पूजा लडक़ी के घर एवं टीका लडक़े के घर हो, जिसमें कम लोग ही जाए, मेहमानों के पैर धुलाई का कार्यक्रम गद्दे पर बिठाकर नहीं गेट पर बाल्टी रख कर किया जाए, शादी समारोह में पटाखे ना फोडा जाए, अहीर प्रथा पूर्णतः बंद रहे। शादी समारोह में महिलाओं के नृत्य पर पाबंदी रहे, शादी के उपरांत दूल्हा दुल्हन के नृत्य पर पाबंदी, शादी समारोह में अनावश्य फोटो ना खींची जाए, शादी में मंडप के नीचे दूल्हे के स्वागत में कम से कम लोग रहे, सिंदूर एवं मंगलसूत्र की रस्म मंडप के अंदर भावर के समय संपन्न की जाए, प्री वेडिंग शूट बंद रहे, विवाह कार्यक्रम में दुल्हन की एंट्री बंद रहे,

विवाह मंडप में आतिशबाजी एवं पायरो बंद रहे, शादी में डीजे बैंड में से कोई भी एक चीज ही रहना चाहिए, शव यात्रा में जाने पर मामा ससुराल पक्ष को छोडक़र अन्य लोग धोती, साड़ी के स्थान पर कपूर, हवन नारियल आदि लेकर जाए, दसवां, तेरवी एक ही दिन में संपन्न कराए, पगड़ी रस्म में कपड़े केवल मामा ससुराल पक्ष से ही ले, परिवार में मृत्यु होने पर शोकाकुल परिवार के आपसी रिश्तेदार ही पान बाटे, अन्य समाज की लडक़ा लड़कियों के साथ शादी करने पर उनका एवं उनके परिवार जनों का बहिष्कार किया जाए, गांव में प्रतिवर्ष मां कर्मा जयंती को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाए।

बैठक में यह रहे शामिल- बैठक में ग्राम धामनगांव के अध्यक्ष प्रकाश साहू, उपाध्यक्ष शुभम बसंतपुरे, सचिव अभिषेक साहू, मीडिया प्रभारी भरत साहू, सदस्य गणेश लहरपुरे, लवलेश आजाद, मुकेश बसंतपुरे, गोपाल आजाद, शुभम आजाद, राहुल लोखंडे, मयूर लहरपुरे, सुभाष साहू, आदि उपस्थित रहे।

संत महात्माओं एवं मातृ शक्तियों का किया सम्मान

देवास। चौत्रीय नवरात्रि महापर्व पर मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा प्रतिदिन फरियाली छाछ वितरण, कन्या भोज, यज्ञ हवन के साथ ही संत महात्माओं, मात्र शक्तियों का सम्मान भी किया जा रहा है। समिति द्वारा उदासीन अखाड़ा सीढ़ी मार्ग पर सम्मान समारोह आयोजित कर नारायण कुटी सन्यास आश्रम के स्वामी सुरेशानंद जी तीर्थ, प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की ब्रह्माकुमारी प्रेमलता दीदी, संत गोपाल दास महाराज, मोनी बाबा, संत पूर्णानंद महाराज, गौ सेवक संत मदन मोहन एवं मातृ शक्तियों का शॉल, श्रीफल, पगड़ी व मां की चुन्नी ओढ़ाकर पुष्प मालाओं से आत्मीय सम्मान किया गया। प्रेमलता दीदी ने अपने उद्बोधन में कहा कि टेकरी पर मां चामुंडा मां तुलजा भवानी के दर्शनार्थ आने वाले श्रद्धालुओं के लिए मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा सेवा पंडाल लगाकर बड़ा ही पुण्यमय कार्य किया गया है। पुण्यात्माओं को ही सेवा का अवसर मिलता है। धन्य है वह सेवाधारी जो अपना अमूल्य समय निकालकर के निस्वार्थ भाव से मानव सेवा कार्यों में लगे हुए हैं। इस अवसर पर समाजसेवी आनंद गुप्ता, नरेंद्र मिश्रा, नारायण व्यास, राजेश गोस्वामी, प्रदीप लाठी, अरस्तु मधुर, सुशील शिंदे, रामेश्वर जलोदिया, इंदर सिंह गौड़, राधेश्याम बोडाना दिनेश सावलिया, मूलचंद चौधरी अभिराज सिंह ठाकुर अनिल विश्वकर्मा, पी शिवराम प्रसाद राव सहित धर्म प्रेमी समाजसेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालक रामेश्वर जलोदिया ने किया वह आभार उम्मेद सिंह राठौड़ ने माना

बॉडी बिल्डिंग स्पर्धा प्रदीप ने किया देवास का नाम रोशन

देवास। देवास जिला बॉडी बिल्डिंग एसो.के अध्यक्ष रेहान शेख ने बताया कि 6 व 7 अप्रैल को मिस्टर इंडिया फेडरेशन कप गोआ में आयोजित किया गया था।पूरे भारत के बॉडी बिल्डरों ने इस कप में भाग लेकर अपने शरीर का प्रदर्शन किया था। देवास के प्रदीप ठाकुर ने अपनी वेट केटेगरी में 5वा स्थान प्राप्त किया ।ठाकुर की इस उपलब्धि पर उन्हें प्रमाण पत्र,केश प्राइस और मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया। ठाकुर की इस उपलब्धि पर देवास जिला बॉडी बिल्डिंग एसो.के अकबर शेख (अज्जू), चंद्रपाल सिंह सोलंकी(छोटू), अध्यक्ष रेहान शेख, सचिव मनदीप सिंह पंवार, कोषाध्यक्ष रोहन वर्मा, खुमान सिंह बैस, खालिक शेख, मलिक शेख, सईद खान, रोहित सोनी, लाल सिंह , युवराज बन्ना आदि ने प्रदीप सहित विजेता खिलाड़ियों को बधाई दी।

वन मंडल की टीम ने किया सर्प का रेस्क्यू

देवास। वन मंडल के हेमराज गोखले ने बताया कि 11 अप्रैल 24 को प्रातः 9.46 बजे मोबाइल पर सूचना प्राप्त हुई की कलेक्टर कार्यालय देवास में रूम नंबर 14 में एक सर्प घुस गया है। सूचना पर वन मंडल अधिकारी पी के मिश्रा के आदेश व उपवन मंडल अधिकारी एस के शुक्ला व वन परिक्षैत्र अधिकारी राजेंद्र सिंह सोलंकी के निर्देशन में रेस्क्यू एक्सपर्ट राजेश चौहान व अंकित मंडलोई द्वारा एक रेट स्नेक का सफल रेस्क्यू कर सुरक्षित प्राकृतिक आवास वन क्षेत्र में छोड़ा गया।

भारतीय नव वर्ष का शास्त्रीय नृत्य, संगीत की प्रफुल्लित सुबह तो लोक संगीत, नाट्य, नृत्य की सुहानी शाम से स्वागत

देवास। कला एवं साहित्य की अखिल भारतीय संस्था संस्कार भारती द्वारा आयोजित विक्रम संवत 2081 की प्रथम प्रभात पर मालवा अंचल की समृद्ध संस्कृति सांस्कृतिक विरासत एवं परंपरा के साथ शहर के हृदय स्थल सयाजी द्वार में पर प्रभावी मनमोहक अंदाज में प्रातः 5.45 पर संस्था के बिहार प्रांत संगठन मंत्री वेद प्रकाश ,मार्गदर्शक अशोक जाधव ,मनोहर कारपेंटर, अध्यक्ष मनोरमा सोलंकी तथा संयोजक एवं प्रांत उपाध्यक्ष प्रकाश पवार द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ संस्था धेय गीत राजकुमार वर्मा की प्रस्तुति के साथ सुप्रसिद्ध गायिका संजीवनी कांत ने शिष्या दीक्षा महेश्वरी के साथ प्रभाती राग में राम के गुणगान की सुमधुर स्वर लहरियों से समा बांध दिया तबले पर हिमांशु लाड़े तथा हारमोनियम पर आशुतोष सिद्ध ने संगत की तत्पश्चात सुप्रसिद्ध नृत्य गुरु प्रफुल्ल सिंह गहलोत की शिक्षाओं द्वारा सूर्य आराधना एवं गणेश वंदना कथक नृत्य की मनमोहक प्रस्तुति के बाद राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के क्षेत्रीय शारीरिक प्रमुख जितेंद्र सिंह पवार ने भारतीय नव वर्ष के महत्व एवं गौरवशाली संस्कृति परंपरा तथा विरासत के साथ अपने संस्कारों को जीवित रखना तथा अपने स्व को जागृत करना आज की आवश्यकता है ,अपने उद्बोधन में कहीं। इसके बाद भारतीय नव वर्ष की प्रथम प्रभात पर बड़ी संख्या में उपस्थित गणमान्य व मातृशक्ति ने विधिवत गुडी पूजन कर भगवान भास्कर को मंत्रो उच्चार के साथ सामूहिक सूर्य अर्घ दिया तथा गुडधनिया नीम की प्रसाद वितरण की गई। हर्ष पटाखों के साथ सुंदर रंगोली व पताओंसे सजे परिसर में सभी सम्मिलित गणमान्य जनों ने एक दूसरे को नव वर्ष की मंगल शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम का संचालन पंडित अजय कानूनगो तथा आभार राकेश दुबे ने व्यक्त किया।

इसी प्रकार मल्हार स्मृति मंदिर सभागृह में सांस्कृतिक संध्या का शुभारंभ मां सरस्वती कला के आराध्य देव नटराज का पूजन विशेष अतिथि पद्मश्री कालूराम बामनिया, मुख्य अतिथि विधायक गायत्री पवार के साथ अतिथि महापौर प्रतिनिधि दुर्गेश अग्रवाल, पूर्व महापौर सुभाष शर्मा, विधायक प्रतिनिधि भारत चौधरी, पार्षद व नगर निगम समिति के धर्मेंद्र सिंह बैस, राधेश्याम सोनी, राष्ट्रकवि देवकृष्ण व्यास, संस्था अध्यक्ष मनोरमा सोलंकी, संयोजक व प्रांत उपाध्यक्ष प्रकाश पवार द्वारा पूजन कर शुभारंभ किया गया। अतिथि स्वागत व संस्था परिचय के बाद मुख्य अतिथि विधायक गायत्री राजे पवार ने उद्बोधन में कहा कि संस्कार भारती द्वारा शहर में आयोजित कार्यक्रमों के माध्यम से हमारी भारतीय कलाओं का संरक्षण संवर्धन तथा कलाकारों व कला प्रेमियों के बीच सेतु का बहुत महत्वपूर्ण एवं सराहनीय कार्य करती है। यह हमारी पारिवारिक संस्था है सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम में घुंघरू नृत्य अकादमी के कलाकारों द्वारा सुंदर कथक नृत्य की प्रस्तुति तथा वंदना दुबे वह नमिता शिर्के के सुमधुर गायन तथा अरमान दुबे वह प्रतिभा चौधरी द्वारा नाटक प्रस्तुति के साथ कविता सिसोदिया व साथियों द्वारा शोर नृत्य का आकर्षक व सुंदर प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण पद्मश्री कालूराम बामनिया द्वारा निर्गुण कबीरपंथी लोकगीतों की मनभावन प्रस्तुति ने श्रोताओं का मंत्र मुक्त कर दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पद्मश्री कालूराम बामनिया का सत्कार सम्मान शाल श्रीफल पुष्पमालाओं से विधायक गायत्री राजे पवार व नगर संघचालक राजेश अग्रवाल द्वारा गणमान्यजन की उपस्थिति में किया गया।

मतदान के प्रति जागरूकता के लिये कुर्सी दौड़ का आयोजन

बाईखेड़ी में मतदान के संकल्प के साथ समूह की महिलाओं ने ली सेल्फी, कुर्सी दौड़ भी की

नर्मदापुरम। जनपद पंचायत नर्मदापुरम के बाईखेड़ी ग्राम में सचिव नीलम ठाकुर एवं ग्राम रोजगार सहायक दिनेश चौरे के नेतृत्व में स्व सहायता समूह की महिलाओं के द्वारा चर्चा कर एवं कुर्सी दौड़ का आयोजन कर मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य किया गया।साथ ह विधान सभा सिवनी मालवा के ग्राम बाईखेड़ी के मतदान केन्द्र क्रमांक 203 में दिनेश चौरे बीएलओ हैं आपके द्वारा बताया गया कि केन्द्र पर 878 मतदाता हैं विगत विधान सभा निर्वाचन 2023 में यहां पर 75 प्रतिशत मतदान हुआ था लोकसभा निर्वाचन 2024 में शत प्रतिशत मतदान हो इसके लिये विभिन्न गतिविधियां की जा रही हैं एवं प्रयास किया जा रहा है कि लोक सभा निर्वाचन 2024 में 26 अप्रैल को लोक मतदान करने आयें एवं मतदान का प्रतिशत अच्छा रहे। जागरूकता अभियान में समूह से रजनी पटैल, सीमा चौरे रानी पटैल लल्ली बाई, बबली बाई, रानी रजनी, चौरे वर्षा चौरे, सुमन बाई, दीपा महोबिया, संध्या महोबिया एवं अम्रता महोबिया शामिल रही।

देश में अमन और सोहार्द्र की दुआ के साथ हर्षोल्लास से मनी ईद

ईदगाह क
हिंदी इस्तकबाल करती

नर्मदापुरम। नगर में आज ईद उल फ़ित्र का त्यौहार बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया सुबह 7:30 बजे ईदगाह पर शहर क़ाज़ी अशफ़ाक़ साहब ने नमाज़ अदा कराई जहां हज़ारों की तादाद में मुस्लिम धर्मावलंबी ने नमाज़ अदा की पश्चात शहर क़ाज़ी द्वारा ईदगाह पर विशेष दुआ की गई जिसमे देश प्रदेश और नगर की खुशहाली भाईचारा और तरक्की के लिए हज़ारो हाथ उठे ईद की नमाज़ शहर की अनेकों मस्जिदों भी अदा की गयी अंतिम नमाज़ बड़ी बजरिया सेठ साहब वाली मस्जिद में 9 बजे अदा की गयी। इस अवसर पर ईदगाह में एसडीओपी पराग सैनी, थाना प्रभारी शहर कोतवाली सौरभ पाण्डेय, फैजान उल हक़, ज़ाकिर खान, गुलाम मुस्तफा, कुलदीप राठौर, फैज़ान खान, अमीन राइन, इसराइल खान, अशफ़ाक़ भाई, इमरान खान आदि उपस्थित रहे अंजुमन मुफ़िदुल इस्लाम कमिटी नर्मदापुरम् ने ईद की त्यौहार पर शहर में की गयी उचित व्यवस्थाओ को लेकर जिला प्रशासन एवं नगर पालिका परिषद का आभार माना!

भगवान झूलेलाल शोभायात्रा का मां चामुंडा सेवा समिति ने किया स्वागत

देवास। पूज्य सिंध हिंदू पंचायत द्वारा भगवान झूलेलाल के प्रकटोत्सव पर नगर में बेंडबाजो के साथ शोभायात्रा निकाली गई।पत्ती बाजार दयानंद चौक सिंधी धर्मशाला से निकाली गई शोभायात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए एबी रोड स्थित सयाजी द्वार पहुंची। जहां भगवान झूलेलाल की महा आरती के बाद उज्जैन रोड सिंधु भवन पर शोभायात्रा का समापन हुआ। इस दौरान एमजी रोड पर मां चामुंडा सेवा समिति द्वारा समिति संयोजक रामेश्वर जलोदिया के नेतृत्व में पूज्य सिंध हिंदू पंचायत देवास के अध्यक्ष अनिल पंजवानी, विश्व हिंदू परिषद के जिला अध्यक्ष मनोहर पमनानी, सरपंच रमनलाल तलरेजा, मनोज राजानी, कमल चावला, चंद्रभान नानवानी सहित शोभायात्रा में चल रहे समाज बंधुओ, धर्म प्रेमियों का पगड़ी व मां की चुन्नी ओढ़ाकर पुष्प मालाओं से जोरदार स्वागत किय गया। इस अवसर पर मां चामुंडा सेवा समिति के पदाधिकारी समाजसेवी उम्मेद सिंह राठौड़, इंदर सिंह गौड़, सत्यनारायण पांचाल, बीड़ी रावल, रमेश पांचाल,राधेश्यामं बोडाना, रामेश्वर जलोदिया, राधेश्याम बोडाना, महेश व्यास सहित पदाधिकारी उपस्थित थे।

11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ के द्वितीय दिवस, अनुष्ठान से पूर्व यजमानों की हेमाद्री,ब्राह्मण वरण और यज्ञमंडप में प्रवेश विधि करवाई गई

...रात्रि में हुआ संगीतमय सुंदरकांड पाठ काआयोजन,जमकर झूमे श्रद्धालु

निखिल ग्वाल (सुबह सवेरे) नालछा। नालछा के श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर (जुग्गा) पर संत श्री श्री 1008 श्री राजेंद्र पुरीजी महाराज की प्रेरणा से श्री सिद्धेश्वर महादेव भक्त मंडल द्वारा आयोजित 11 कुंडीय शिव शक्ति महायज्ञ के प्रथम दिवस भव्य कलश यात्रा व गौ माता का पूजन किया गया था. द्वितीय दिवस बाबा महांकाल की नगरी उज्जैन से पधारे यज्ञाचार्य पंडित बालमकुंद जोशी,पंडित विजय तिवारी,पंडित देवेंद्र शर्मा,पंडित कार्तिक जोशी,पंडित शुभम तिवारी व पंडित संस्कार जोशी के द्वारा अनुष्ठान से पूर्व यजमानों की वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हेमाद्री,ब्राह्मण वरण और यज्ञ मंडप में प्रवेश विधि करवाई गई .बाबा श्री सिद्धेश्वर महादेव का रुद्राभिषेक भी यजमानों द्वारा किया गया .रात्रि में संगीतमय सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया जिसमे नालछा व आसपास के क्षेत्र के भजन गायकों द्वारा एक से बढ़ कर एक मनमोहक भजनों की प्रस्तुति दी गई जिस पर श्रद्धालु भक्त जमकर झूमते हुए और संगीत का आनंद लेते हुए नजर आए देर रात्रि आरती के पश्चात प्रसादी का वितरण किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में नालछा सहित आसपास के क्षेत्र के श्रद्धालु भक्त शामिल हुए. जानकारी श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित निर्मल इंदुरकर द्वारा दी गई.

श्री हरदम बाबा टेनिस बाल ट्राफी टूर्नामेंट प्रारंभ

धार। म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण क. लि. धार के तत्वाधान में आयोजित श्री हरदम वार्षिकोत्सव 2024 के तहत खेली जा रही टेनिस बॉल प्रतियोगिता में श्री हरदम बाबा ट्रॉफी-2024 के लिए 10 ओव्हर के सीमित टूर्नामेंट के पहले मैच में धार संभाग में मनावर सभांग को 29 रनों से हराकर मैच जीत लिया। प्रतियोगिता लीग आधार पर खेली जा रही है। धार सभांग ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कृष्णा गोयल के 34 रन व गौरव वसुनिया के 20 रनों की बदौलत 10 ओवर में 100 रन बनायें। जिसके जबाब में मनावर सभांग टीम 72 रन ही बना सकी। सुभाष कुशवाह ने 3 व उत्तम राठौर ने 2 विकेट लिए, कृष्णा गोयल को मैन आफ द मैच चुना गया।

प्रतियोगिता के दूसरे मैच में राजगढ़ संभाग ने कुक्षी संभाग को 5 विकेट से हराया टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कुक्षी ने 5 विकेट खोकर 67 रन बनाये जिसके जवाब में राजगढ़ ने 5 विकेट खोकर 68 रन बनाकर मैच जीत लिया। गौरव यादव नाबाद 24 रन और पंकज डावर ने 18 रनों की योगदान दिया। गौरव यादव मैन आफ द मैच रहे। तीसरे मैच में बदनावर संभाग ने मनावर संभाग को 43 रनों से हराकर सेमीफायनल में प्रवेश किया, बदनावर संभाग ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 115 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया जिसमें अशोक चव्हाण में शानदार बल्लेबाजी करते हुए शानदार 45 बनायें। पंकज लिम्बोला ने 25 व कुशल सोलंकी ने 23 रनों का योगदान डिया। पहाड़ जैसे स्कोर का पीछा करते हुए मनावर सभांग की टीम मात्र 72 रन बनाकर आऊट हो गयी। मनावर की ओर से शिवम राठौर ने आक्रामक 39 रन व कमल तड़वाल में 16 रनों का योगदान दिया। लेकिन दूसरे बल्लेबाज बदनावर के गेंदबाजों का सामना नही कर पायें, अशौक चव्हाण मैन आफ द मैच रहे।

चौथे मैच में धार वृत्त की टीम ने कुक्षी संभाग की टीम को आठ विकेट से हराकर मैच जीत लिया। टास धार वृत्त की टीम ने जीता ओर कुक्षी को बल्लेबाजी के लिए आंमत्रित किया लेकिन उनकी टीम 10 ओवर में आठ विकेट खोकर मात्र 52 रन बनाये कुक्षी की ओर से रुमाल चौहान ने 15 रनों का योगदान दिया, धार वृत्त की ओर से प्रशान्त व दीपक मे 2-2 विकेट, प्रदिप, अनिल वान्दे, रोहित ने 1-1 विकेट लिया लेकिन प्रदिप डावर के शानदर नाबाद 44 रन व राजेन्द्र सिंह चौहान के नाबाद 4 रनों की बदोलत धार वृत्त की टीम ने जीत दर्ज की। प्रदिप डावर मैन आफ द मैच रहे। मैच के पूर्व धार वृत्त के अधीक्षण यंत्री डी. के. गाठे ने व धार संभाग के कार्यपालन यंत्री सुनिल सिंह ने खिलाड़ीयो से परीचय प्राप्त कर स्पर्धा का प्रारंभ किया। स्पर्धा संयोजक राजेन्द्र सिंह चौहान, प्रेम रावल, प्रशांत पटवा, उत्तम राठौर, विनोद पाण्डे, हेमन्त पुराणिक ने अतिथीयों का पुष्पमालाओं से स्वागत किया। संचालन किशोर जैन ने किया।

चेती चांद, झूलेलाल जयंती हर्षोल्लास के साथ मनाई गई, रिमझिम बरसात में निकली शोभायात्रा

सुबह सवेरे सोहागपुर। सिन्धी समाज के इष्ट देव झूलेलाल की जयंती चेतीं चांद का उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर गुरू मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई। पूजा अर्चना पंडित ताराचंद करतारी ने कराई। इस अवसर पर समाज के वरिष्ठ किशनचंद्र जोतवानी, सिन्सधी समाज अध्यक्ष खेमचंद छाबड़िया सहित समस्त सजातीय महिलाओं, नागरिकों, बच्चों की खासी उपस्थिति रही। कार्यक्रम में युवाओं ने गुरू मंदिर में डंडा नृत्य किया। शाम को शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा रिमझिम बरसात में निकली गई। सबसे पहले डीजे, बैंड बाजों के साथ वरूण देवता अवतार झूलेलाल साहिब की प्रतिमा, वहीं ज्योति लिए सजातीय बन्धु चल रहे थे। युवाओं ने रास्ते भर डंडा नृत्य किया। इसके पूर्व सुबह सिन्धी समाज के युवाओं ने बाइक रैली निकाली।इस बाइक रैली में केसरिया झंडे लग हुए थे। दोपहर में हनुमान मंदिर परिसर में भंडारे का आयोजन किया गया।

भाजपा धार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष जीवन सिंह पटेल नियुक्त

धार। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने जिले के धार ग्रामीण मंडल अध्यक्ष पद पर जीवन सिंह पटेल की नियुक्ति की हैं। पटेल मंडल अध्यक्ष बनने पर विधायक नीना विक्रम वर्मा, भाजपा जिला अध्यक्ष मनोज सोमानी सहित अनेक भाजपा कार्यकर्ताओं ने बधाई दी। जानकारी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी संजय शर्मा ने दी।

अग्रवाल समाज धार की नवीन कार्यकारणी का हुआ गठन

धार। अग्रवाल समाज धार के अध्यक्ष योगेश अग्रवाल ने समाज की नवीन कार्यकारिणी की घोषणा की है। इसमें महामंत्री वल्लभ अग्रवाल,अजय मोदी, नवीन गर्ग, विनय अग्रवाल,उपाध्यक्ष अंकुश अग्रवाल,विमल गर्ग,राजेश गुप्ता, गोपीकिशन अग्रवाल, कोषाध्यक्ष राजेश अग्रवाल एवं अभिषेक अग्रवाल, मीडिया प्रभारी श्याम मंगल (लेबड़), वैभव अग्रवाल,राहुल अग्रवाल को बनाया वही समाज की प्रबंध कार्यकारणी,युवा कार्यकारणी, महिला कार्यकारणी का गठन किया गया। जानकारी मीडिया प्रभारी श्याम मंगल लेबड़ ने दी।

महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

देवास। अखिल भारतीय अनुसूचित जाति परिषद जिला देवास द्वारा समग्र सामाजिक क्रांति के अग्रदूत महान समाज सुधारक और शिक्षाविद महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई। खारी बावड़ी पर स्थित उनकी प्रतिमा पर मौला अर्पण की गई इस अवसर पर परिषद केआध्यक्ष आत्माराम परिहार कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश मालवीय, महामंत्री कांतिलाल सोलंकी, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता भगवान सिंह चावड़ा, डॉ मुन्ना सरकार, संजय कहार, मनोज पवार, भगत सिंह सोलंकी, गोवर्धन सिंह चौहान आदि वरिष्ठ नेता एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे। सभी ने महात्मा ज्योतिबा फुले अमर है के नारे लगा कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि ज्योतिबा फुले ने सामाजिक समनता लाने के लिए पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले को शिक्षा प्रदान की और उन्हें शिक्षक बनाया और उनके माध्यम से उन्होंने स्कूल खुलवाए जिसमें महिलाओं प्रवेश दिलाया जो अभी तक शिक्षा से कोसो दूर थी मुख्य रूप से अनुसूचित जाति जनजाति पिछड़ा वर्ग की बालिकाओं को प्रवेश दिलाया गया।

नवसंवत्सर महापर्व महोत्सव का आयोजन महाआरती, काव्य गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित

नर्मदापुरम। चैत्रीय नवरात्रि गुड़ी पड़वा नवसंवत्सर महापर्व महोत्सव का आयोजन सरगम सांस्कृतिक संस्था, अखिल भारतीय साहित्य परिषद, राष्ट्रीय कला एवं काव्य मंच के संयुक्त तत्वावधान में सम्पूर्ण नर्मदांचल क्षेत्र एवं आस पास के नगरों व ग्रामीण क्षेत्रों में महाआरती, काव्य गोष्ठी, सांस्कृतिक कार्यक्रम के बृहद आयोजन के साथ सम्पन्न हुआ।

कार्यक्रम श्रंखला के शुभारम्भ में प्राचीन श्री नर्मदा मंदिर परिसर सेठानी घाट पर पंडित भाल चन्द्र खड्डर आचार्यत्व एवं संगीताचार्य गुरु देव पंडित महेश कुमार तिवारी के वरचुयली सानिध्य में सर्व प्रथम मां राजराजेश्वरी मां श्री नर्मदा जी का भव्य अभिषेक पूजन कार्यक्रम संयोजक डॉ हरिओम दीक्षित, राकेश दुबे, सत्य नारायण त्रिपाठी, श्रीमती रंजना दीक्षित, सीमा दुबे , सविता राजपूत ने सम्पन्न कर महाआरती की कराई। कार्यक्रम की श्रंखला में पोस्ट आफिस घाट पर पंडित गिरी मोहन गुरु मुख्यातिथि में आयोजित काव्य गोष्ठी में सुभाष यादव, भारती, पंडित नवीन परसाई, मनोज परसाई, सुखदेव माने, मनोज दूबे, सुनील भिलाला, नवीन हरयाले, प्रदुम्न हरियाले ने मां नर्मदा पर रचनाएं प्रस्तुत की। बाबई के समीप मुड़िया खेड़ा,बीकौर, पनवासा, बुधनीघाट,व शाहगंज, बेनेटा प्लाट, बांद्रा भान घाट पर भी महाआरती की गई।

सभी कार्यक्रम में पंडित वीरेंद्र शर्मा, आदित्य दीक्षित, हर्ष तिवारी, मोहनदास महाराज, यश तिवारी, छिद्दामीलाल महाराज सरिता सिंह, माखन पटेल, राजेन्द्र ठाकुर, बंटी पंवार आदित्य परसाई , पत्रकार बलराम शर्मा, सुमित शर्मा,प्रफुल्ल तिवारी , विजय महन्त, राजेश तिवारी, अंशुल पांडेय का सहयोग सानिध्य सराहनीय रहा। कार्यक्रम का संयोजन संचालन डॉ हरिओम दीक्षित 'चैतन्य' ने तथा आभार प्रदर्शन सुभाष भारतीय ने किया।

भाजपा जो कहती है, वही करती है, प्रधानमंत्री ने 370 धारा हटाने सहित उल्लेखनीय कार्यो को मूर्तरूप दिया: गुना सांसद के पी यादव

सुबह सवेरे सोहागपुर। भारतीय जनता पार्टी जो कहती है,वह करती है, हमारी कथनी करनी में अंतर नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के चालू कार्यकाल में धारा 370 हटाने , राम मंदिर निर्माण ,तीन तलाक़ जैसे उल्लेखनीय कार्यों को मूर्त रूप दिया है

उक्त उद्गार गुना शिवपुरी सांसद केपी यादव नर्मदापुरम, नरसिंहपुर लोकसभा प्रत्याशी दर्शनसिंह चौधरी के कार्यालय के शुभारंभ के अवसर पर गुरुवार दोपहर कार्यकर्ताओं के बीच कहें। इस अवसर पर क्षेत्रीय विधायक विजयपालसिंह विधायक सविता दीवान शर्मा, भाजपा जिला उपाध्यक्ष सुरेश पटैल, नगर परिषद अध्यक्ष लता यशवंत पटैल,विधानसभा प्रभारी निखलेश चतुर्वेदी विधानसभा मीडिया संयोजक राजेश शुक्ला, सहित भारतीय जनता पार्टी के पदाधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। इस अवसर पर कार्यकताओं को अवगत कराया गया कि नर्मदापुरम, नरसिंहपुर लोकसभा क्षेत्र की पिपरिया विधानसभा में 14 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आगमन हो रहा है। कार्यक्रम में आव्हान किया गया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आमसभा में अधिक से अधिक नागरिक पिपरिया पहुंचे। इसी अवसर पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता तिवारी का शाल श्रीफल से सम्मानित किया गया। उक्त आश्य की जानकारी भाजपा विधानसभा मीडिया राजेश शुक्ला ने सुबह सवेरे संवाददाता को दी।

एडीएम ने तहसील कार्यालय में लोकसभा निर्वाचन को लेकर किया निरीक्षण

सुबह सवेरे सोहागपुर। लोकसभा चुनाव का आगाज हो चुका है। नर्मदापुरम नरसिंहपुर लोकसभा चुनाव क्षेत्र में 26अप्रैल को चुनाव सम्पन्न होगा। जिला कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सोनिया मीना ने शत-प्रतिशत मतदान कराने की नागरिकों से अपील की है। इसी तारतम्य में एडीएम श्री डी के सिंह ने लोकसभा निर्वाचन 2024 के संदर्भ में आज तहसील कार्यालय में चिन्हित प्रति कार्य का निरीक्षण किया। आपने सोहागपुर में चुनावी तैयारियों पर संतोष व्यक्त किया है। इस अवसर पर सहायक रिटर्निंग ऑफिसर बृजेंद्र रावत,तहसीलदार अलका इक्का नायक माखननगर तहसीलदार सुनील गढ़वाल,नायब तहसीलदार अंजू राजपूत, माखननगर नायब तहसीलदार नीरू जैन, संदीप कुशवाहा,सहायक प्रोग्रामर अमित मिश्रा आदि उपस्थित थे।

फोन पर बात करती थी, हाथ काटकर ले गया पति

अशोकनगर में पत्नी बोली–वो शक करता था; पैर पर भी कुल्हाड़ी मारी

भोपाल। अशोक नगर में एक शख्स अपनी पत्नी का हाथ काटकर ले गया। उसने महिला के पैर पर भी कुल्हाड़ी से वार किया, लेकिन चीख सुनकर बच्चे जाग गए तो वो भाग निकला। मामला बुधवार-गुरुवार की देर रात करीब 2 बजे का है। आरोपी को मोबाइल फोन पर किसी और से बात करने का शक था। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है। जानकारी के मुताबिक बरखेड़ी गांव की मिथिलेश बाई (35) की शादी करीब 16 साल पहले कमल अहिरवार (36) से हुई थी। कमल एक पैर से दिव्यांग है। उनके 2 बेटे और 2 बेटियां हैं। सबसे बड़ी बेटी की उम्र 11 साल, जबकि सबसे छोटा बेटा 5 साल का है। सभी अशोकनगर की जगदंबा कॉलोनी में रहते हैं। मिथिलेश ने पुलिस को बताया कि शादी के बाद सबकुछ ठीक चल रहा था। पति कमल पिछले कुछ दिनों से उस पर शक करने लगा। मिथिलेश ने बताया कि बुधवार को सभी खाना खाकर सो गए। रात करीब 2 बजे पति ने कुल्हाड़ी उठाई और उसके हाथ पर वार कर दिया। कमल ने तुरंत दूसरा वार मिथिलेश के पैर पर किया, जिससे उसकी चीख निकल गई। चीख सुनकर बच्चे नींद से जाग गए तो कमल कटा हुआ हाथ लेकर भाग गया। मिथिलेश ने बताया कि बच्चे उसे कुछ दूर तक चलाकर ले गए। फिर पुलिस आ गई। पुलिस ने उसे अपने वाहन से अस्पताल पहुंचाया। महिला ने बताया कि जब वह 11 साल की थी तब गिर गई थी। इससे उसका बायां हाथ फ्रैक्चर हो गया था। उस समय परिजन ने देसी उपचार करवाया। हाथ के चारों ओर लकड़ियां बांध दी थीं। ये हाथ सही होने की बजाय टेड़ा हो गया। तब से वह एक हाथ से सारा काम करती थी। महिला ने बताया कि वह कुछ घरों में साफ-सफाई का काम करके अपने 4 बच्चों का पेट पालती थी। कोरोनाकाल से पहले सभी गांव में रहते थे, जहां अक्सर विवाद होता था। विवाद से बचने के लिए जगदंबा कॉलोनी में प्लॉट खरीदकर घर बनाया है। महिला का कहना है कि वह पति कमल के सामने अपने रिश्तेदारों से मोबाइल पर बात करती थी तब भी उसे शक होता था। इसी शक के चलते उसने हमला किया। देहात थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान ने बताया कि रात के समय युवक ने उसकी पत्नी का हाथ काट दिया और लेकर भाग गया। पति ने ऐसा पत्नी पर शक के चलते किया। मामला दर्ज कर लिया है। अभी आरोपी गिरफ्तार नहीं हुआ है।

चुनावी 'गुरुवार', शाह और राजनाथ का तीखा वार

- अमित शाह बोले- इंडिया गठबंधन बना भ्रष्टाचारियों का जमघट
- कहा- जिसने भी चोरी, भ्रष्टाचार किया है, उसे जेल जाना पड़ेगा

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री शाह ने विपक्षी दलों के घोटाले गिनाए। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचारियों को पाई-पाई लौटानी पड़ेगी। जिसने भी भ्रष्टाचार किया है, जिसने भी चोरी की है, उन्हें जेल जाना पड़ेगा। शाह ने इंडी अलायंस को भ्रष्टाचारियों को जमघट बताया। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह खजुराहो लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले कटनी के बरही में चुनावी सभा को संबोधित किया। बीजेपी ने इस सीट से प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा को प्रत्याशी बनाया है। शाह ने कहा- जातिवादी और परिवारवादी पार्टियां पीएम मोदी को हराने के लिए इकट्ठे हुई हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने 70 साल तक जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार के आधार पर राज किया। मोदी ने देश से जातिवाद, परिवारवाद और भ्रष्टाचार को समाप्त कर दिया। इससे पहले शाह ने मंडला में बीजेपी प्रत्याशी फग्गन सिंह कुलस्ते के पक्ष में सभा की। यहां उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश के गरीबों को गरीबी से बाहर निकालने का काम किया है। उनको खाना पकाने के लिए गैस सिलेंडर और रहने के लिए आवास दिए हैं। शाह ने कहा कि हम देश की अर्थव्यवस्था को दुनियाभर में 5वें नंबर पर लाए हैं। मोदी जी को तीसरी बार पीएम बना दो, इसे तीसरे नंबर पर पहुंचा देंगे। उन्होंने विपक्षी दलों के गठबंधन इंडिया पर कहा, 'घमंडिया गठबंधन के नेता चाहते हैं कि उनके बेटा और बेटी ही आगे बढ़ें।' इससे पहले शाह करीब एक बजे जबलपुर पहुंचे थे। यहां उनका स्वागत मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने किया। 10 साल देश में कांग्रेस का शासन था। पाकिस्तान से आलिया, मालिया, जमालिया घुस जाते थे, बम धमाके करते थे। तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह उफ तक नहीं करते थे। मैं पूछना चाहता हूं राहुल बाबा से... आपने देश के राष्ट्रपति पद पर किसी आदिवासी को बिठाया क्या? कांग्रेस पार्टी ने हमेशा आदिवासियों को छलने का काम किया है।

राम मंदिर बनना चाहिए था कि नहीं। 55 साल कांग्रेस पार्टी इसे लटकाती, अटकाती और भटकाती रही। पांच साल में केस जीते, भूमिपूजन भी हो गया ओर प्राण प्रतिष्ठा भी हो गई। घमंडिया गठबंधन वाले चाहते हैं कि उनके बेटे-बेटी आगे बढ़ें। ममता बनर्जी भतीजे को, शरद पवार बेटी को, स्टालिन बेटे को, सोनिया जी बेटे को आगे बढ़ाना चाहती हैं। हमने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फंड से आपके इलाके का विकास किया। घमंडिया गठबंधन डाइनेस्टी मैनेजमेंट फंड में लगा है। शाह ने कहा- परिवारवादी गठबंधन का उद्देश्य अपने बेटे, बेटी, भतीजे को सत्ता दिलाना। शरद पवार का उद्देश्य है- अपनी बेटी को मुख्यमंत्री बनाना, उद्धव ठाकरे का उद्देश्य है- अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, स्टालिन का उद्देश्य है- अपने बेटे को मुख्यमंत्री बनाना, बंगाल में ममता दीदी का उद्देश्य है- अपने भतीजे को मुख्यमंत्री बनाना, सोनिया गांधी का उद्देश्य है- राहुल बाबा को प्रधानमंत्री बनाना। अगर घमंडिया गठबंधन जीतता है तो सबसे बड़ा नुकसान ओबीसी का होने वाला है। कांग्रेस ओबीसी विरोधी पार्टी है। काका साहब कालेलकर कमिशन की रिपोर्ट हो या मंडल कमिशन का, दोनों को दबाकर रखा। शाह ने कहा- मोदी सरकार में 27 मिनिस्टर ओबीसी है, 37 प्रतिशत सांसद ओबीसी हैं, मोदी ने ओबीसी आयोग का गठन किया और साथ-साथ केंद्र की सभी शैक्षणिक संस्था में ओबीसी को 27 प्रतिशत आरक्षण देने का काम किया। विपक्षी अब जेल में जा रहे हैं। छातियां पीट रहे हैं। हमें ये कर दिया, हमें वो कर दिया। मोदी जी ने 2014 के चुनाव में आने से पहले देश की जनता से वादा किया था कि एक एक भ्रष्टाचारी को चुन-चुनकर जेल भेजेंगे। भ्रष्टाचारियों को जेल में डालना चाहिए या नहीं? जिसने भी चोरी की है, उसे जेल जाना पड़ेगा। शाह ने कहा- घमंडिया गठबंधन भ्रष्टाचारियों का जमघट हैं। 10 साल तक सोनिया-मनमोहन ने सरकार चलाई। इस दौरान 12 लाख करोड़ का घपला किया। यहां कमलनाथ और बंटाढार ने भी कुछ बाकी नहीं रखा। मैं उनका कच्छा चिट्ठा लाया हूं।

राजनाथ बोले-कांग्रेस जंग लगा लोहा, भाजपा 24 कैरेट सोना

रक्षामंत्री ने कहा-हम जो कहते हैं, वो करते हैं

भारत को अर्थशक्ति बनाएंगे

भोपाल। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कांग्रेस को जंग लगा लोहा कहा। वे सतना में बोले, कांग्रेस के पास 50 साल का समय कम था, जो ये भारत को शिखर तक नहीं ले जा सके। भाजपा 24 कैरेट सोना है। हम जो कहते हैं, वो करते हैं। हम भारत को विश्व की अर्थशक्ति बनाएंगे। राजनाथ ने यह बात गुरुवार को सतना के नागौद में कही। उन्होंने अगोल मैदान में लोकसभा प्रत्याशी गणेश सिंह के पक्ष में जनसभा को संबोधित किया। इससे पहले रक्षा मंत्री रीवा के मऊगंज पहुंचे थे। यहां उन्होंने देवतालाब विधानसभा क्षेत्र में लोकसभा प्रत्याशी जनार्दन मिश्रा के लिए वोट देने की अपील की। उन्होंने कहा, मध्यप्रदेश अब बीमारू राज्य नहीं रहा। देश के विकास का जो चक्का मोदी जी के नेतृत्व में घूम रहा है, उसमें ग्रोथ इंजन की भूमिका मध्यप्रदेश निभा रहा है। कांग्रेस कहती है कि सरकार ने 6 हजार रुपए किसानों को दे दिया, कौनसी बड़ी बात हो गई? लेकिन 2 हजार रुपए नहीं होते हैं तो किसान खाद-बीज नहीं खरीद पाते। मोदी जी पैसे दे रहे हैं तो इसमें क्या दिक्कत है। ये तो एक योजना है। मैं हमारी योजनाएं गिनाना शुरू करूंगा तो घंटों निकल जाएंगे। कुछ समय पहले विधानसभा चुनाव हुए, मध्यप्रदेश की जनता ने भाजपा को प्रचंड बहुमत से जिताया। अब फिर चार महीने बाद चुनाव हो रहे हैं। फिर वोट करना पड़ेगा। एक देश, एक चुनाव होना चाहिए। मैंने प्रधानमंत्री जी से इस बारे में बात की थी। 5 साल में देश में दो से ज्यादा चुनाव नहीं होने चाहिए। अमेरिका के राजदूत ने कहा है कि अगर आप भविष्य में काम करना चाहते हैं तो भारत आएं। भाजपा ने आज तक जनता की आखों में धूल झोंककर राजनीति नहीं की। कुछ गलत कहूंगा तो अखबार में छाप देना। हम जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। हम रामराज्य किसे कहते हैं, जब अधिकार बोध की बजाय कर्तव्य का बोध हो। लोग कहते हैं कि भाजपा वाले हिंदू-मुसलमान की बात करते हैं। हिंदू, मुसलमान, सिख, ईसाई, हम किसी से भेदभाव नहीं करते। हम सबको साथ में लेकर चलने पर विश्वास करते हैं।

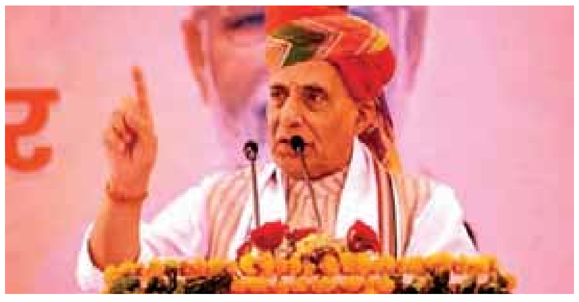

मोबाइल में 400 से अधिक पोर्न क्लिप और क्लास में बेड...

- अंग्रेजी सीखने वाली महिलाओं का टीचर ने बनाया डर्टी वीडियो
- रतलाम जिले में एक अंग्रेजी टीचर संजय पोरवाल हुआ गिरफ्तार

भोपाल। मध्य प्रदेश रतलाम जिले में पुलिस ने एक अंग्रेजी टीचर को गिरफ्तार किया है। वह रतलाम शहर में अंग्रेजी का कोचिंग चलाता है। पुलिस को गिरफ्तारी के बाद उसके फोन में 400 से अधिक पोर्न क्लिप मिले हैं। बताया जा रहा है कि यह क्लिप उसकी कोचिंग में पढ़ने आने वाली कुछ महिलाओं के हैं, जिन्हें झांसे में लेकर उसने उनके साथ संबंध बनाए थे। उन्हीं में से एक महिला की शिकायत पर रतलाम पुलिस ने कार्रवाई की है। आरोपी शिक्षक संजय पोरवाल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी कोचिंग संचालक संजय पोरवाल बीते दस सालों से अपने कोचिंग में महिलाओं का शोषण कर रहा था। पहले वह उन्हें अपने झांसे में लेता था। इसके बाद उनके साथ संबंध बनाता था। साथ ही महिलाएं जब इससे पीछा छुड़ाने की कोशिश करती थीं तो वह वीडियो दिखाकर ब्लैकमेल करता था। दरअसल, कोचिंग क्लास के एक हिस्से में एक छोटा हिस्सा है। वहां वह महिलाओं के साथ संबंध बनाता था। इस दौरान लैपटॉप ऑन कर म्यूजिक प्ले कर देता था। लैपटॉप में उसने स्पाई म्यूजिकल एप इंस्टाल कर रखा था। ऐसे में महिलाओं और युवतियों को पता नहीं चलता था। म्यूजिक के साथ वह संबंध बनाता था। इस दौरान उनका वीडियो रेकॉर्ड हो जाता था। जब कोई विरोध करता तो इन्हीं वीडियो के जरिए ब्लैकमेल करता था।

आरोपी संजय पोरवाल रतलाम के दीनदयाल नगर में कोचिंग चलाता है। वह कई वर्षों से यहां कोचिंग चला रहा है। कोचिंग में युवतियां और महिलाएं भी बड़ी संख्या में इंग्लिश सीखने आती हैं। बताया जा रहा है कि वह 12 वर्षों से यहां कोचिंग चलाता है। इसके खिलाफ पुलिस स्टेशन में एक महिला ने शिकायत की थी। पुलिस ने जब मामले की जांच की तो मामला सच निकला और आरोपी पर कार्रवाई की गई। पुलिस जब कोचिंग में जांच के लिए पहुंची तो एक हिस्से को घेरकर वह छोटा बेड लगा रखा था। इसी बेड पर आरोपी महिलाओं के साथ हमबिस्तर होता था। सारे वीडियो भी यहीं के बने हुए हैं। पुलिस ने छापेमारी के दौरान मौके से 10 मेमोरी कार्ड, एक पेन ड्राइव, चार यूएसपी डाटा स्टोरेज, एक लैपटॉप और फोन जब्त किया है। यही नहीं, कोचिंग सेंटर से पुलिस ने महिलाओं के अंतरवस्त्र भी जब्त किए हैं। साथ ही शराब की बोतलें भी मिली हैं। आरोपी के फोन में 400 से अधिक वीडियो मिले हैं। ये सारे वीडियो बीते एक दशक में उसने रेकॉर्ड किए हैं। रतलाम एसपी राहुल कुमार लोढ़ा ने बताया कि महिला की शिकायत पर जांच के लिए हमने टीम गठित की थी। कोचिंग का नाम इंग्लिश विजन है, इसका संचालक संजय पोरवाल है। जांच के दौरान यह पुष्टि हुई है कि वह महिलाओं को झांसे में लेकर उनका वीडियो बनाता था। इसके बाद वह उन्हें ब्लैकमेल कर रुपए की वसूली करता था। समाज और परिवार के डर से महिलाएं चुप रहती थीं। उन्होंने कहा कि जांच चल रही है। वहीं, कोचिंग संचालक के हरकतों से परेशान महिलाएं डिप्रेश हो जाती थीं। इसके बाद उन्हें वह कोचिंग बुलाता था और शराब पीता था। साथ में महिलाएं भी उसके साथ शराब पीती थीं। इसके बाद आरोपी कोचिंग में उनके साथ संबंध बनाते हुए वीडियो रेकॉर्ड करता था। पुलिस ने कोर्ट में पेशकर उसे रिमांड पर लिया है। जानकारी के अनुसार वह महिलाओं के घर पर भी जाकर उनके साथ दुष्कर्म करता था। कोचिंग संचालक संजय पोरवाल शादीशुदा है। वह दो बच्चों का पिता भी है। कुछ दिन पहले उसका पत्नी के साथ विवाद हुआ था। इसके बाद वह अलग भी रहता था। हालांकि हाल के दिनों में उसका समझौता हो गया है। इसके बाद पत्नी के साथ ही रह रहा है।

राजधानी के मालीखेड़ी में जबरदस्त हंगामा

सरकारी कॉलोनी के कवर्ड कैम्पस में घुसे लोग, गेट तोड़े; थाने में शिकायत

भोपाल। भोपाल के मालीखेड़ी स्थित सरकारी कॉलोनी के कवर्डकैम्पस में करीब डेढ़ सौ लोग घुस गए और 2 गेट तोड़ दिए। उन्होंने कॉलोनी में रहने वाले लोगों से अभद्रता भी की। रहवासियों का आरोप है कि जब गेट तोड़े गए, तब क्षेत्र के पार्षद भी मौजूद थे। इस मामले में नगर निगम और रहवासियों ने छोला थाने में शिकायती आवेदन दिए हैं। निगम द्वारा रास्ता बंद करने को लेकर झुग्गी में रहने वाले लोगों ने भी थाने में आवेदन दिया है। वार्ड-72 स्थित मालीखेड़ी में नगर निगम प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सिंग्लेक्स और फ्लैट बना रहा है। कुछ लोगों को पजेशन भी मिल चुका है। गुरुवार दोपहर में इसी कैम्पस में झुग्गी में रहने वाले लोग घुस गए। उनका कहना था कि कैम्पस के अंदर से उन्हें रास्ता दिया जाए। दूसरी ओर, यहां रहने वालों का कहना था कि निगम ने उन्हें कवर्ड कैम्पस में मकान दिए हैं। इसलिए रास्ता बंद हो। इसी बात को लेकर विवाद की स्थिति भी बन गई। झुग्गी में रहने वाले लोग कॉलोनी के 2 गेट तोड़कर अंदर पहुंच गए। उन्होंने कॉलोनी में रहने वाले लोगों से अभद्रता भी की। मालीखेड़ी में करीब एक घंटे तक हंगामा चलता रहा। इस दौरान पार्षद विकास पटेल भी मौके पर पहुंचे। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधि और झुग्गी में रहने वाले लोगों पर जबर्दस्ती घुसने और अभद्रता करने के आरोप लगाए। सब इंजीनियर अजय सिंह सोलंकी ने बताया कि मालीखेड़ी में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान बनाए जा रहे हैं। यह प्रोजेक्ट कवर्ड कैम्पस में है। गुरुवार को एलआईजी परिसर में करीब डेढ़ सौ लोग आ गए। सभी कैम्पस के पीछे झुग्गी में रहते हैं। उन्हें अलग से रास्ता दिया गया है। वहीं, कैम्पस के अंदर प्रवेश के दो गेट मंगलवार को बंद किए गए थे। गेट तोड़ने और अभद्रता करने के संबंध में छोला थाने में आवेदन दिया है। स्थानीय लोगों ने भी गाली-गलौच करने की शिकायत की है।

आरजीपीवी घोटाले में मुख्य आरोपी तत्कालीन कुलपति गिरफ्तार

भोपाल पुलिस ने प्रो. सुनील कुमार को रायपुर से पकड़ा, दो आरोपी अभी भी फरार

भोपाल। राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में हुए भ्रष्टाचार केस के फरार चल रहे तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार को पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार कर लिया। गांधी नगर पुलिस थाना में 3 मार्च को केस दर्ज होने के बाद से वह फरार चल रहे थे। प्रो. कुमार की गिरफ्तारी की पुष्टि भोपाल पुलिस कमिश्नर हरी नारायण चारी ने की है। प्रो. सुनील कुमार की गिरफ्तारी के बावजूद इस मामले में तत्कालीन रजिस्ट्रार आरएस राजपूत और रिटायर फाइनेंस कंट्रोलर ऋषि केश वर्मा की गिरफ्तारी शेष है। यूनिवर्सिटी के दोनों अफसर बीते एक महीने से फरार चल रहे हैं। भोपाल पुलिस कमिश्नर दफ्तर के अफसरों ने बताया कि यूनिवर्सिटी के तत्कालीन कुलपति प्रो. सुनील कुमार, रायपुर में अपने एक परिचित यहां छुपे हुए थे। पुलिस लगातार प्रो. कुमार की लोकेशन ट्रेस कर रही थी। पुलिस को बुधवार को सुनील कुमार की लोकेशन रायपुर में मिली थी। इसके चलते पुलिस की एक टीम को रायपुर भेजा गया था। उसी टीम ने रायपुर में तत्कालीन कुलपति को गिरफ्तार किया है। आरजीपीवी के पूर्व कुलपति प्रो. सुनील कुमार की अग्रिम जमानत याचिका को सुनवाई के बाद भोपाल कोर्ट ने खारिज कर दी थी। उन्होंने कोर्ट में 1 अप्रैल को अग्रिम जमानत याचिका दाखिल की थी। इस पर 2 अप्रैल को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

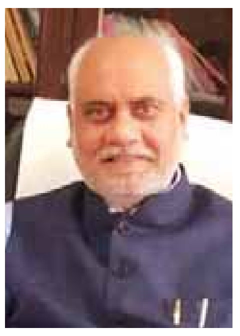

दिग्विजय का ईवीएम पर सवाल उठाना, भारत विरोधी प्रोपेगेंडा तो नहीं!

बीजेपी के प्रदेश मंत्री ने पूर्व सीएम पर किया बड़ा वार, दिग्गी से पूछे 6 सवाल

भोपाल। मप्र के पूर्व सीएम दिग्विजय सिंह लगातार ईवीएम के बजाए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग कर रहे हैं। राजगढ़ संसदीय क्षेत्र में एक सभा के दौरान दिग्विजय सिंह ने कहा कि अगर 400 उम्मीदवार राजगढ़ से नामांकन दाखिल करें तो बैलेट पेपर से चुनाव हो सकते हैं। दिग्विजय सिंह द्वारा ईवीएम के बजाए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग पर बीजेपी ने पलटवार किया है। बीजेपी के प्रदेश मंत्री रजनीश अग्रवाल ने X पर लिखा कि कहीं दिग्विजय सिंह की यह मांग जार्ज सोरोस के भारत विरोधी प्रोपेगेंडा का हिस्सा तो नहीं हैं? रजनीश अग्रवाल ने ट्वीट में लिखा- लोकसभा चुनाव में जोरदार हार की आशंका से उपजी राजनीतिक कुंठा से ग्रस्त और अपनी खीझ मिटाने के लिए ईवीएम विरुद्ध बेलेट पेपर का प्रश्न करने वाले दिग्विजय सिंह से 5 प्रश्न हैं 1- देश का धन, ऊर्जा और समय बर्बाद करने के लिए आतुर क्यों हैं ? 2- संवैधानिक संस्था भारत निर्वाचन आयोग और भारत की न्याय व्यवस्था के विरुद्ध भी क्या आपकी यह भूमिका जान नहीं पड़ती है ? 3- लगातार बढ़ता हुआ मतदान भारत के लोकतंत्र के प्रति मतदाताओं की गहरी आस्था को स्पष्ट करता है। क्या उनकी आस्था पर भी प्रश्न खड़ा नहीं किया जा रहा है ? 4- पहले सार्वजनिक इंकार के बाद भी जबरिया चुनाव लडा देने में अपनी प्रासंगिकता बनाए रखने मात्र का एक नकारात्मक प्रयास नहीं है ? 5 - दुनिया में लोकतंत्र के जन्मदाता भारत की छवि धूमिल करने के पीछे आखिर आपकी ऐसी मंशा क्यों है ? क्या यह भी जार्ज सोरोस के भारत विरोधी प्रोपेगेंडा का हिस्सा तो नहीं है। दस दिन पहले दिग्विजय सिंह ने आगर जिले के नलखेड़ा में मां बगुलामुखी मंदिर में दर्शन और पूजा-अर्चना के बाद 'वादा निभाओ' पदयात्रा की शुरूआत की थी। इसी यात्रा के दौरान दिग्विजय सिंह ने लोगों को संबोधित करते हुए पूछा- जो लोग यहां बैठे हैं, वो बैलेट पेपर से चुनाव कराना चाहते हैं या मशीन से? लोगों ने कहा- बैलेट पेपर से। इस पर दिग्विजय सिंह ने कहा- अगर राजगढ़ लोकसभा सीट पर 400 उम्मीदवार खड़े हों तो बैलेट पेपर आ जाएगा। इसके बाद पब्लिक में किसी ने कहा- मोदी जी की 400 सीटें नहीं होंगी, लेकिन 400 प्रत्याशी जरूर होंगे।